



भाकृअनुप-केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान
ICAR - Central Coastal Agricultural Research Institute
Old Goa (Goa) - 403 402



माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री श्री एन.एस. तोमरजी का क्यूपेम, दक्षिण गोवा में आयोजित कृषि मातोसव में 02.02.2022 को दौरा.



विश्व मृदा दिवस, आईसीएआर-सीसीएआरआई, गोवा में 05.12.2022 को आयोजित किया गया



खज़ान भूमि के कायाकल्प पर पायलट परियोजना का 14.12.2022 को गोवा में शुभारंभ

वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2022



भाकृअनुप - केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा
ICAR - CENTRAL COASTAL AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE, GOA
Ela, Old Goa, Goa - 403 402

वार्षिक प्रतिवेदन 2022



भाकृअनुप- केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान
एला, ओल्ड गोवा 403402 गोवा (भारत)
(आई.एस.ओ. प्रमाणित संगठन)



प्रकाशन एवं सम्पर्क सूत्र

निदेशक

भाकृअनुप- केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा
फोन : 0832-2995095
ई-मेल : director.ccari@icar.gov.in

संपादक मंडल

डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ मतला जूलियट गुप्ता, श्री शशि विश्वकर्मा

तकनीकी सहायक

श्री विश्वजीत प्रजापति, सुश्री सिद्धांती परब

2011 की जनगणना के अनुसार, भारत के तटीय जिलों की आबादी 171 मिलियन है, जो देश की कुल आबादी का 14.1 प्रतिशत है। कुल मिलाकर, भारत की लगभग 30 प्रतिशत आबादी तटीय और समुद्री संसाधनों पर निर्भर है। तटीय क्षेत्र प्राकृतिक आपदाओं, समुद्र के स्तर में वृद्धि, चक्रवातों और जलवायु परिवर्तन की घटनाओं के मद्देनजर देश में एक संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र भी है, जिनकी घटना की आवृत्ति पिछले दशक में बढ़ी है।

तटीय पारिस्थितिक तंत्र एक विस्तृत श्रृंखला की सेवाएं प्रदान करते हैं, जैसे कि भौतिक लाभ, भीतरी इलाकों में ताजा पानी के भंडारण, हाइड्रोलॉजिकल संतुलन, खाद्य और तूफान संरक्षण, कटाव नियंत्रण और तटरेखा स्थिरीकरण, पानी की गुणवत्ता और कार्बन पृथक्करण का विनियमन आदि। अप्रत्यक्ष सेवाओं के अलावा, तटीय पारिस्थितिक तंत्र कई सांस्कृतिक सेवाएं जैसे मनोरंजक और सौंदर्य लाभ प्रदान भी करते हैं और एक संपन्न पर्यटन उद्योग का समर्थन करते हैं जो हजारों लोगों को रोजगार प्रदान करता है, जो कई मामलों में तटीय क्षेत्र के आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आयामों से जुड़े हैं। गोवा में स्थित भाकृअनुप-सीसीएआरआई, उन प्रौद्योगिकियों के विकास को पूरा करता है जो मुख्य रूप से तटीय क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, फेल्ड फसलों की उत्पादकता बढ़ाने, तनावग्रस्त पर्यावरण के लिए फसलों का प्रजनन, स्थानीय घटना के उच्च उपज वाले फलों के पेड़ों की पहचान करने, पशु स्वास्थ्य को बनाए रखने, फसलों और सब्जियों को रोग मुक्त रखने के लिए प्रथाओं के पैकेज विकसित करने के उद्देश्य से हैं। मछली उत्पादकता बढ़ाना और पारिस्थितिकी प्रणालियों की सुरक्षा और मूल्यांकन में नागरिकों को शामिल करने के अलावा उद्यमिता विकास और कृषि में युवाओं का आकर्षण बनाए रखने के लिए एक नई पहल के रूप में कृषि-पारिस्थितिकी पर्यटन की अवधारणा को विकसित करना।

संस्थान के इतिहास में पहली बार, कर्नाटक के तटीय जिले के एक अभिनव किसान, श्री अमाई महालिंग नाइक (तटीय दक्षिण कन्नड़ के अद्यानाडका गांव से), जिन्हें भाकृअनुप-सीसीएआरआई, गोवा द्वारा नामित किया गया था, को 2022 भारत सरकार द्वारा पद्मश्री उपाधि से सम्मानित किया गया था। गोवा सरकार ने अपने 35वें राज्यत्व दिवस, 30 मई 2022 को कृषि, पशुपालन, पशुपालन, चेरी और खाद्य प्रसंस्करण की प्रगति और विकास में महत्वपूर्ण योगदान, जिससे राज्य में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए, के लिए आईसीएआर-सीसीएआरआई, गोवा को एक स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रस्तुत किया। भाकृअनुप-सीसीएआरआई के वैज्ञानिक डॉ. के. के. मनोहरा को गोवा की देशी धान की किस्मों के संरक्षण और उपयोग में महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रतिष्ठित "गोवा राज्य जैव विविधता संरक्षण पुरस्कार" प्रस्तुत किया गया।

गोवा के माननीय राज्यपाल श्री पी.एस. श्रीधरन पिल्लई द्वारा 19 नवंबर, 2022 को गोवा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (जीसीसीआई) की कृषि और खाद्य प्रसंस्करण समिति द्वारा आयोजित एक समारोह के दौरान खजान भूमि के काया कल्प पर एक पायलट परियोजना शुरू की गई। इस परियोजना को नाबार्ड, गोवा द्वारा वित्त पोषित किया गया है और इसे आईसीएआर-सीसीएआरआई, गोवा द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।

संस्थान के वैज्ञानिकों ने कुल 78 शोध पत्र प्रकाशित किए, जिनमें से 42 अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए, जिनमें से 30 आठ से अधिक NAAS रेटिंग वाली पत्रिकाओं में हैं। संस्थान के कृषि विज्ञान केंद्र ने 48 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए और 28 ऑन-फार्म परीक्षणों और 68 एफ एल डी के के द्वारा 1280 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।

यह रिपोर्ट 2022 के दौरान आईसीएआर-सीसीएआरआई, गोवा में किए गए कार्यों का एक संक्षिप्त सारांश है, जो संस्थान में की जा रही गतिविधियों की बड़ी विविधता की एक झलक प्रदान करती है। हमारे अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों के आगे सुधार के लिए सुझाव हमारे पाठकों से स्वागत है।

किसानों, वित्त पोषण एजेंसियों एवं राज्यों के लाइन विभागों के समर्थन हेतु हम कृतज्ञतापूर्वक आभार व्यक्त करते हैं डॉ हिमांशु पाठक, महानिदेशक, आईसीएआर और डीएआरई के सचिव को उनके संरक्षता, समर्थन और हमारे संस्थान की गतिविधियों में गहरी रुचि के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (एनआरएम) डॉ सुरेश कुमार चौधरी को उनके निरंतर समर्थन, प्रोत्साहन और मार्गदर्शन के लिए सहृदय आभार व्यक्त करता हूं।

स्थान: ओल्ड गोवा

तिथि:

(प्रवीण कुमार)

निदेशक



प्रस्तावना



भाकृअनुप -केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान
एला, ओल्ड गोवा 403402, गोवा (भारत)



भाकृअनुप- केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा का वार्षिक प्रतिवेदन एक संस्थानिक प्रकाशन है। इस रिपोर्ट में वर्ष 2022 में हुए शोधकार्य का लेख सम्मिलित है। इसलिए इस रिपोर्ट में लिहित सामग्री का उपयोग वैज्ञानिक संदर्भ के रूप में प्रकाशक की अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता है। केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा का वार्षिक प्रतिवेदन बिक्री हेतु नहीं है।

परिचय

भाकृअनुप- केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा एक सर्वोत्तम बहु-विषयक संस्थान है, जो देश के तटीय पारिस्थितिकी तंत्र में टिकाऊ कृषि और संबद्ध गतिविधियों के विकास के मुद्दों का समाधान करने के लिए सतत काम कर रहा है। भारत का तटीयपारिस्थितिकी तंत्र नौ राज्योंवदो केंद्र शासित प्रदेशों में फैला हुआ है। 28.39लाख हेक्टेयरक्षेत्रफल में। संस्थान को प्राकृतिक संसाधन से संबंधित क्षेत्रों, बागवानी फसलों, पशुधन और मत्स्य पालन में अनुसंधान और विस्तार कार्य करने तथा तटीय क्षेत्र में जलवायु-अनुकूल भूमि उपयोग, कृषिप्रणालियोंका विकास एवं कृषिपारिस्थितिकी पर्यटन आदि पर शोध द्वारा तटीय प्रदेशों में स्थायी उत्पादकता सुनिश्चित करने का अधिदेश प्राप्त है।

इस संस्थान कोसर्वप्रथमअप्रैल, 1976 में पूर्वोत्तर पहाड़ी क्षेत्र के भाकृअनुप- अनुसंधान परिसर के एक हिस्से के रूप में गोवा के लिए भाकृअनुप- अनुसंधान परिसर के नाम से स्थापित किया गया था। तदुपरांत इस संस्थान को केन्द्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान,कासरगोड, केरल के प्रशासनिक और तकनीकी नियंत्रण के तहत गया। गोवा में विभिन्न सरकारी कृषि फार्म स्थलों पर कार्य करने के बाद, इस संस्थान को अंततः वर्ष 1982 में ओल्डगोवा में स्थानांतरित कर दिया गया। गोवा राज्य में कृषि अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए अप्रैल 1989 में इसे एक अलग

संस्थान के रूप में बनाया गया। 1 अप्रैल 2024 तक संस्थान की अनुसंधान गतिविधियाँ, गोवा की कृषि अनुसंधान जरूरतों को पूरा करने तक ही सीमित थीं। वर्ष 2014 में संस्थान को भाकृअनुप- केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान के रूप में अपग्रेड किया गया तथा इसका कार्यक्षेत्र 9 तटीय राज्यों (गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल) के 80 जिलों एवं 7केंद्र शासित प्रदेशों (दादरा और नगर हवेली, दमन और ड्यू और पुदुचेरी) में फैले हुए हैं। इस संस्थान का मुख्य उद्देश तटीय कृषि पर अनुसंधान करना है।

भाकृअनुप-केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान गोवा प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन (प्रा. सं. प्र.)प्रभाग के अंतर्गत है और यह ओल्ड गोवा में स्थित है। इस संस्थान का दृष्टिकोण टिकाऊ तटीय कृषि अनुसंधान में वैश्विक उत्कृष्टता है। संस्थान के पास निम्नलिखित अधिदेश हैं:

- तटीय भारत के प्राकृतिक संसाधनों में सतत उत्पादकता के लिए बागवानी फसलों, पशुधन और मत्स्य पालन, आदि प्रणालियों के क्षेत्रों में अनुसंधान।
- तटीय कृषि के माध्यम से उन्नत और टिकाऊ आजीविका के लिए जलवायु-अनुकूल भूमि उपयोग और कृषि प्रणालियों का विकास करना।
- कृषि-पारिस्थितिकी पर्यटन के केंद्र के रूप में कार्यान्वयन

इस संस्थान में चार प्रमुख संभाग हैं :
प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, फसल, बागवानी और पशु एवं मत्स्यसंभाग। संस्थान के अध्यक्ष निदेशक हैं, जिनको 23 वैज्ञानिकों, 13 तकनीकी, 15 प्रशासनिक और 19 कुशल सहायक कर्मचारियों का संयोग एवं समर्थन प्राप्त है। संस्थान के कुल कर्मचारियों की संख्या 70 है। संस्थान के अनुसंधान कार्यक्रमों को संस्थान की अनुसंधान सलाहकार समिति द्वारा सुव्यवस्थित किया जाता है।

अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र हैं:

- i) तटीय क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और प्रबंधन।
- ii) तटीय क्षेत्र में आनुवंशिक संसाधनों का संरक्षण एवं उपयोग।
- iii) तटीय क्षेत्र की प्रमुख फसलों की उत्पादन प्रौद्योगिकियों का विकास एवं प्रमाणीकरण।
- iv) पशुधन और मात्स्यिकी की उत्पादन प्रौद्योगिकियों का विकास और प्रमाणीकरण।
- v) फसलोपरांत प्रौद्योगिकियों और अन्य कृषि-उद्यमों के माध्यम से आजीविका सुरक्षा में सुधार करना।

संस्थान ने फसल की उत्तम किस्मों और बागवानी फसलों के परिग्रहनों की पहचान में महत्वपूर्ण अनुसंधान योगदान; काजू, नारियल और आम में उपयुक्त मृदा और जल संरक्षण उपायों का विकास; एकीकृत कृषि प्रणाली मॉडलों का विकास; रोपण और सब्जी फसलों में प्रमुख कीटों और बीमारियों

के पर्यावरण के अनुकूल प्रबंधन, गोवा की क्षेत्रीय और बागवानी फसलों के लिए उत्पादन प्रौद्योगिकियों का विकास और मानकीकरण; सब्जी और पुष्प उत्पादन के लिए कम लागत वाली संरक्षित संरचनाओं का मानकीकरण; मवेशियों, बकरी, भैंस, शूकर और कुकुटपालन के लिए मानकीकरण; रोग निदान और स्वास्थ्य प्रबंधन; आलंकारिक मत्स्य-पालन, कार्प और खारे पानी के मछलियों का पालन एवं शंबुक पालन प्रथाओं का मानकीकरण; पी. एफ. जेड. का प्रसार और परामर्शों का प्रमाणीकरण; तथा गोवा के मछलियों में जैव-विविधता की खोज आदि में योगदान दिया है।

इसके अतिरिक्त संस्थान अपने कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से कृषि ओ.एफ.टी., एफ.एल.डी. , प्रशिक्षण, कार्यशालाओं आदि के माध्यम से प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण में भी लगा हुआ है।

वैज्ञानिकों के अनुसंधान उपलब्धियां, किसानों के खेतों में स्थानांतरित तकनीकियाँ, कर्मचारियों को प्रदान किए गए पुरस्कार एवं मान्यताएं और संस्थान द्वारा आयोजित अन्य कार्यक्रमों को इस रिपोर्ट में प्रस्तुत किया गया है।

महत्वपूर्ण अनुसंधान उपलब्धियाँ

भाकृअनुप- केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान प्राकृतिक और आनुवंशिक संसाधनों का संरक्षण, प्रबंधन और उपयोग, फसलों, जानवरों और मत्स्य पालन के लिए उत्पादन प्रौद्योगिकियों का विकास, कटाई उपरांत प्रौद्योगिकियों और कृषि पर्यावरण-पर्यटन आदि विषयों पर योजनात्मक और व्यावहारिक अनुसंधान करता है। अनुसंधान परियोजनाओं को पांच मेगा विषयों में सुव्यवस्थित किया गया है। वर्ष 2022 के प्रमुख एवं खास अनुसंधान उपलब्धियों प्रस्तुत हैं।

प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन संभाग

तटीय क्षेत्र के मृदामें लवणता और जलभराव प्रबंधन के लिए भूमि आकार बदलाव तरीकों पर अध्ययन के प्रारंभिक परिणाम बताते हैं कि इस विधि से भूमि उत्पादकता और लाभप्रदता में सुधार करने की क्षमता है। प्रायोगिक क्षेत्र की फसल सघनता सौ तिशतसे बढ़कर तीन सौ प्रतिशत हो गई, जिससे भूमि का वर्ष भर उपयोग संभव हो पाया। फार्म पॉन्ड(कुल क्षेत्रफल का 10%), मेड़ (25%) और मूल निचली भूमि (65%) क्षेत्र के साथ भूमि को आकार देने से कृषि आय बढ़ाने के लिए सब्जियों (लवणता-संवेदनशील) और मत्स्य पालन जैसे फसल घटकों का समावेश सुनिश्चित हुआ।

समीपस्थ संवेदन (स्पष्ट विद्युत चालकता निर्देशित मृदासैंपलिंग) और रिमोट सेंसिंग को ग्राउंडट्रथिंग के साथ एकीकृत करने से

ईसीकामहत्वपूर्ण पूर्वानुमान और मैपिंगहुआ। उच्च-रिजॉल्यूशनके उपग्रह टाइम सीरीजऔर ईसीक-निर्देशित मृदासैंपलिंगकेउपयोग द्वारा फसल (प्याज) का लवणता-सहिष्णुता फंक्शन को शीघ्रता से निर्धारित करने के लिए एक नवीन तकनीक विकसित किया गया।

फसलोत्पादन, डेयरीफार्मिंग और मत्स्य पालन के संयोजन से एक धान आधारित एकीकृत कृषि प्रणाली (आई एफ एस)मॉडेलका 0.5हेक्टेयर क्षेत्रफल पर मानकीकरण किया गया, जिसमें प्रति वर्ष 1.68 लाख रुपए का शुद्ध लाभ (61% फसलों से, 22%-डेयरीसे) अर्जित किया गया। पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण के संदर्भ में, आईएफएसमॉडल ने लगभग 57.9 किलो नाइट्रोजन (एन), 34.5 किलो फॉस्फोरस (पी) एवं 69 किलो पोटेशियम (K), पोषक तत्वों के कुशल उपयोग और पुनर्विणीकरण, जो टिकाऊ कृषि प्रथाओं का पुष्टीकरण करता है। इसके अलावा, आई एफएसमॉडल ने रोजगार के अवसर पैदा किए, जिससे 352 मानव-दिवस रोजगार उपलब्ध हुआ।

0.8 हेक्टेयर क्षेत्र में एक रोपण फसल-आधारित मॉडलस्थापित किया गया है, जिसमें सुपारी, काजू, नारियल और पशुधन शामिल हैं। इस मॉडल ने प्रति वर्ष 2.13 लाख रुपये की शुद्ध आय अर्जित की है।इसमें सबसे अधिक योगदान सुपारी में (46%) और उसके बाद काजू और अनानास प्रणाली (23%) है। मॉडल द्वारा उत्पन्न रोजगार की मात्रा 257 मानव-दिवस

है -जिससे स्थानीय आबादी के लिए आजीविका के अवसर पैदा करने की क्षमता का संकेत मिलता है। यह प्रणाली कुशलतापूर्वक लगभग 72.8 किलोग्राम नाइट्रोजन (एन), 46.9 किलोग्राम फॉस्फोरस (पी), और 84.3 किलोग्राम पोटेशियम (के) पोषक तत्वों का पुनर्चक्रण करता है।

दो जुताई तकनीकों (संरक्षण और पारंपरिक जुताई) का उपयोग करके लाल लैटेरिटिक मृदा में 6 चावल आधारित फसल प्रणालियों (एक कंट्रोल) के लिए अनाज उत्पादन, जमीन के ऊपर बायोमास, ऊर्जा दक्षता, आर्थिक विश्लेषण और मृदाके कार्बन स्टॉक पर प्रभाव की जांच की गई। सीधी बुवाई वाले चावल, जीरो टिलेजबेबीकॉर्न और जीरो टिलेजमूंग से युक्त तिहरी फसल प्रणाली को अपनाने से विभिन्न पहलुओं में महत्वपूर्ण सुधार हुआ। किसानों के पारंपरिक प्रथाओं की तुलना में, इस प्रणाली के परिणामस्वरूप उत्पादन में 29% की वृद्धि हुई और लाभप्रदता में 48% का सुधार हुआ। अनुमानित सकल कार्बन इनपुट में 121% की वृद्धि हुई, जो ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी और कार्बन भंडारण में वृद्धि का संकेत देता है। जमीन के ऊपर बायोमास उत्पादन में 32.7% की वृद्धि हुई, जो बेहतर संसाधन उपयोग और पोषक पुनर्विनीकरणको दर्शाता है। मृदा कार्बन स्टॉक में भी 48.5% की वृद्धि हुई, जो मृदा स्वास्थ्य और उर्वरता में वृद्धि का संकेत है। कुल मिलाकर, सीधी बुआई वाली चावल-जीरो टिलेजबेबीकॉर्न-जीरो टिलेजमूंग प्रणाली टिकाऊ कृषि और मृदाके स्वास्थ्य के लिए एकीकृत फसल और संरक्षण जुताई प्रथाओं की क्षमता को प्रदर्शित करती है।

दैनिक अधिकतम, न्यूनतम तापमान और वर्षा डेटासेट का उपयोग करके महाराष्ट्र और गोवा के तटीय जिलों के लिए चरम मौसम सूचकांकों की गणना की गई है। प्रत्येक संकेतक के लिए सीमा मूल्यों की पहचान उपज विसंगति सूचकांक (वाईएआई) के साथ सूचकांकों को पुनः प्राप्त करके की गई थी। यह देखा गया कि चरम मौसम की घटनाएं का चावल की उत्पादकता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

एंडोफाइटिक बैक्टीरिया लवणता प्रभावित मृदा में पैदा किए मूंगफली फसल के उत्तर-जीविता दर (56-75%) में सुधार करता है, लेकिन ऑफ-सीजन वर्षा से जलभराव के कारण दोहरे तनाव से फसल का नुकसान होता है। इस प्रकार, एंडोफाइटिक बैक्टीरिया का उपयोग करके मिट्टी की लवणता का प्रबंधन करना और फसल के नुकसान से बचने के लिए ऑफ-सीजन वर्षा की अप्रत्याशित घटनाओं के दौरान उचित जल निकासी प्रबंधन द्वारा मृदा की अतिरिक्त नमी से बचना प्रभावी हो सकता है।

स्थानिक-अस्थायी परिवर्तनशीलता का अनुमान लगाने के लिए भारत की पूर्व की ओर बहने वाली नदियों (वैष्णार, पंजा, पोन्नैयार, पलार, कावेरी, पेन्नार, कृष्णा, गोदावरी, नागवती, वंशधारा, महानदी, ब्राह्मणी, बैत्राणी और सुबरनरेखा) में वार्षिक और मौसमी वर्षा के रुझान का अध्ययन किया गया। परिवर्तनशीलता अनुमान के लिए 4 राज्यों और 16 नदी घाटियों में फैले 48 वर्षा गेज स्टेशनों के डेटा का उपयोग किया गया था। सर्वियों के मौसम में 48 में से केवल दो स्टेशनों में वर्षा के रुझान में महत्वपूर्ण कमी ($p < 0.05$) देखी गई। प्री-मॉनसून सीजन में, तीन स्टेशनों

($p < 0.05$) में महत्वपूर्ण वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई और एक स्टेशन ने घटती प्रवृत्ति ($p < 0.05$) दिखाई पड़ी। मानसून और मानसून के बाद के मौसमों के दौरान, तीन स्टेशनों ने महत्वपूर्ण ($p < 0.05$) वर्षा में कमी की प्रवृत्ति दिखाई। वार्षिक रूप से, केवल 6 स्टेशनों ($p < 0.05$) में महत्वपूर्ण रूप से घटती वर्षा की प्रवृत्ति देखी गई। पूर्व की ओर बहने वाली नदियों में औसत वार्षिक वर्षा < 700 मिमी से > 1600 मिमी तक होती है।

फसल विज्ञान संभाग

संस्थान के फार्म में संरक्षण या आगे के उपयोग के लिए वर्ष 2022 के खरीफ मौसम के दौरान धान के 200 जर्मप्लाज्मपरिग्रहनों, जिसमें लैंडरेस, जंगली चावल और उन्नत प्रजनन लाइनें शामिल थीं, का संवृद्धि किया गया था। समान रूप से वितरित 20 एसएसआरमार्करों की मदद से इकतीस पारंपरिक और उन्नत सुगंधित चावल की किस्मों की पहचान की गई। जैकार्ड गुणांक का उपयोग करके विविधता विश्लेषण से सुगंधित चावल की किस्मों के बीच चार प्रमुख समूहों का पता चला।

234 धान जीनोटाइप जिसमें भूमि की नस्लें, जंगली रिश्तेदार, उन्नत प्रजनन लाइनें और अंकुर चरण में लवणता तनाव के लिए जारी किस्में शामिल थीं, को 10 डीएस/मी (आईडब्ल्यू) के प्रेरित लवणता तनाव के साथ सूक्ष्म भूखंडों के तहत किया गया था। की फिनोटाइपिंगजांचे जीनोटाइप में से किसी ने भी अत्यधिक सहिष्णु प्रतिक्रिया (एसईएस~ 1) प्रदर्शित नहीं की। हालाँकि, 13 जीनोटाइप ने 3 के एसईएस स्कोर के साथ सहिष्णु प्रतिक्रिया दिखाई, जबकि 58 जीनोटाइप ने मध्यम-सहिष्णु प्रतिक्रिया (5 का एसईएस स्कोर) प्रदर्शित की। इसके अतिरिक्त, 99 परिग्रहण

संवेदनशील पाए गए (एसईएस स्कोर 7), और 62 अत्यधिक संवेदनशील (एसईएस स्कोर 9) थे। जीनोटाइप मारा बत्ता, सन्ना आईईटी, चिटगा, डोडगी, कर्ण, शिराली स्थानीय, बिलाशी स्थानीय, बयालेरिया, अरवाथिला, कोर्गुट, वालयो, बरकुर बट्टा, और जेदू बट्टा ने 3 के एसईएस स्कोर के साथ सहिष्णु प्रतिक्रियाएं प्रदर्शित कीं।

मैपिंग आबादी और पीढ़ी उन्नति के विकास में, सिंगलसीडडिसेंट (एसएसडी) विधि के बाद उनतीस अलग-अलग आबादी को अगली पीढ़ियों के लिए उन्नत किया गया।

सर्वोत्तम प्रविष्टियों की पहचान करने के लिए वर्षा आधारित उथली तराई स्थितियों के तहत कई तनाव सहनशीलता के लिए विकसित 43 नई प्रजनन लाइनों का मूल्यांकन किया गया था। सबसे अधिक अनाज उपज 8707.1 किलो/हेक्टेयर आरआईएल (जीडी1 x सीएसआर 27) में दर्ज की गई, उसके बाद आरआईएल में 7831 किलो/हेक्टेयर (कर्जत 3 x केएस 19-2), आरआईएल में 7825 (कर्जत 3 x केएस 19-2), 7723.8 दर्ज की गई। आरआईएल में (जीडी1 x सीएसआर 27) और आरआईएल में 7692.9 (जीडी1 x जया)। परीक्षण किए गए पांच परीक्षणों में जया ने सबसे अधिक अनाज उपज (6896.4 किग्रा/हेक्टेयर) दर्ज की। परीक्षण की गई पंक्तियों में अनाज की औसत उपज 6100.6 किलो/हेक्टेयर है। सर्वोत्तम प्रविष्टियों की पहचान करने के लिए तटीय लवणता स्थितियों के तहत उसी सेट का मूल्यांकन किया गया था। आरआईएल (जीडी1 x सीएसआर 27) में सबसे अधिक अनाज उपज 5036.11 किलो/हेक्टेयर दर्ज की गई, इसके बाद आरआईएल में 4855.56 किलोग्राम/हेक्टेयर (कर्जत 3

x केएस 19-2), आरआईएल में 4847.22 (कर्जत 3 x केएस 19-2) दर्ज की गई। आरआईएल में 4811.11 (जीडी1 x सीएसआर 27) और आरआईएल में 4675.0 (जीडी1 x जया)। परीक्षण किए गए पांच चेरों में से गोवा धान 3 में सबसे अधिक अनाज उपज (4005.56 किलो/हेक्टेयर) दर्ज की गई। परीक्षण की गई पंक्तियों में औसत अनाज उपज 3426.5 किलो/हेक्टेयर है।

उच्च उपज क्षमता और गैर-निवास प्रकार वाली चार नई धान लाइनों को एआईसीआरपी कार्यक्रम के तहत सीएसटीवीटी परीक्षण के आईवीटी परीक्षण के तहत परीक्षण के लिए नामांकित किया गया था। लाइनें मध्यम अवधि की, गैर-स्थायी थीं और संभावित उपज 4.5 टन/हेक्टेयर से 5.0 टन/हेक्टेयर तक थी।

धान के अंकुर चरण की लवणता सहनशीलता को नियंत्रित करने वाले मात्रात्मक लक्षण लोकी के मानचित्रण के उद्देश्य से, एक कम उपज देने वाली लवणता-सहिष्णु किस्म, गोवा धान 2, और एक उच्च उपज वाली लवणता-संवेदनशील किस्म, जया का उपयोग करके एक रीकॉम्बिनेंटइनब्रेड लाइन आबादी विकसित की गई थी। खरीफ 2022 के दौरान, उपरोक्त क्रॉस से प्राप्त 272 आरआईएल को वर्षा आधारित उथली तराई स्थितियों के तहत फिनोटाइप किया गया था। सबसे अधिक अनाज की पैदावार आरआईएल-जेजी-115 (9771 किलो/हेक्टेयर) दर्ज की गई, इसके बाद आरआईएलजेजीआरआईएल 135 (8615.7 किलो/हेक्टेयर), आरआईएलजेजीआरआईएल 193 (8297.1 किलो/हेक्टेयर), आरआईएलजेजीआरआईएल 193 (8250.0

किग्रा/हेक्टेयर) दर्ज की गई। हेक्टेयर) और आरआईएलजेजीआरआईएल 193 (7590.0 किलो/हेक्टेयर)।

गोवा राज्य की प्रमुख क्षेत्रीय फसलों में गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन संस्थान के फार्म में खरीफ और रबी मौसम के दौरान किया गया था। धान की किस्मों जैसे गोवा धान 1, गोवा धान 2, गोवा धान 3, और गोवा धान 4 और लोबिया किस्म गोवा लोबिया 3 में ब्रीडर बीज का उत्पादन कृषि विभाग, गोवा सरकार और अन्य से प्राप्त मांग के अनुसार किया गया था। राज्य में हितधारकों की मांगों के आनुसार ब्रीडर बीजों के अलावा, धान की किस्मों जैसे जया, ज्योति, कर्जत 3 और सहभागी धान में टीएल बीज का उत्पादन किया गया। मूंग की किस्मों टीएम 96-2 और आईपीएम 2-14 में थोड़ी मात्रा में टीएल बीज उत्पादन किया गया।

संस्थान के फार्म में 2022-23 के दौरान धान की किस्मों जैसे गोवा धान 1, गोवा धान 3 और गोवा धान 4 के नाभिकीय बीजों के उत्पादन के लिए रखरखाव प्रजनन शुरू किया गया था।

कानकोना ब्लॉक के गाँवडोंग्रिम और कोतिगाँव गाँवों में किसानों के खेतों में सहभागी धान पर बारह फ्रंट लाइन प्रदर्शन किए गए। सहभागी धान की अनाज उपज चेक किस्मों की तुलना में 45-50 क्विंटल/हेक्टेयर पाया गया। सहभागी धान किस्म की धान और भूसे की पैदावार दोनों के मामले में स्थानीय रूप से उगाई जाने वाली किस्मों से बेहतर साबित हुई है।

वर्ष 2022 के खरीफ सीजन के दौरान, चोड़न के प्राकृतिक तटीय लवणता स्थितियों के तहत दो

परीक्षण अर्थात् IVT-CSTVT और AVT-CSTVT आयोजित किए गए। आईवीटी-सीएसटीवीटी परीक्षण में पांच जांच सहित 30 परीक्षण प्रविष्टियां शामिल थीं, जबकि एवीटी-सीएसटीवीटी परीक्षण में पांच जांच सहित 10 परीक्षण प्रविष्टियां शामिल थीं। एवीटी परीक्षण में, केवल एक प्रविष्टि, आईईटी 27847, ने सर्वोत्तम चेक किस्म, गोवा धान 3 की तुलना में अधिक अनाज की उपज दर्ज की। आईईटी 27847 ने 4532 किलो/हेक्टेयर की अनाज उपज हासिल की, जबकि गोवा धान 3 की उपज 4280 किलो/हेक्टेयर थी। जहां तक आईवीटी परीक्षण की बात है, केवल एक प्रविष्टि ने अनाज की उपज के मामले में सर्वश्रेष्ठ जांच को पीछे छोड़ दिया। सबसे अधिक अनाज की उपज प्रविष्टि IET 31067 द्वारा प्राप्त की गई, जो 6125 किलो/हेक्टेयर दर्ज की गई। सबसे अच्छी चेक किस्म भूतनाथ की उपज 5650 किलो/हेक्टेयर है।

मैक्सिमम एन्ट्रॉपी (मैक्सएंट) निश-मॉडलिंग के माध्यम से रगोज़ स्पाइरलिंग व्हाइट फ्लाई (आरएसडब्ल्यू) एलेउरोडिकस रगियोपरकुलैटस के संभावित वितरण पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव की पूर्वानुमान की गई थी। वर्तमान और भविष्य के जलवायु परिदृश्यों के तहत आरएसडब्ल्यू वितरण का जैव-जलवायु उपयुक्तता मानचित्र इंगित करता है कि सफेद मक्खी की घटना भारत के संपूर्ण तटीय और दक्षिणी राज्यों में अत्यधिक केंद्रित है। परजीवियों, शिकारियों और एंटोमो-रोगजनकों से युक्त संभावित प्राकृतिक शत्रुओं को चारे वाले मक्के में फॉलआर्मीवर्म (एफएडब्ल्यू), स्पोडोप्टेरा फ्रुगिपरडा के विभिन्न जीवन चरणों पर हमला करते देखा गया है। ट्राइकोग्रामा चिलोनिस इशी और टेलीनोमस स्नेमस निक्सन का अंडा

परजीवीवाद क्रमशः 13.90% और 29.37% था। लार्वा पैरासिटोइड्स में, कैम्पोलेटिस क्लोराइडेउचिडा सबसे प्रभावशाली था और फसल अवधि के दौरान दर्ज किया गया था। शिकारियों की ग्यारह प्रजातियों को FAW के विभिन्न जीवन चरणों में शिकार करते हुए देखा गया। काजू के बागानों में तना और जड़ छेदक कीटों की घटना दर्ज की गई। तना और जड़ छेदक में, नियोप्लोकेडेरस फेरुगिनियस और एन.ओबेसस प्रजाति प्रमुख पाई गई। आम के तना भेदक बटोसेरा रुफोमाकुलाटा और एम्ब्रोसिया बीटल यूप्लैटिपस पैरेलेलस को भी तना भेदक से प्रभावित काजू के पेड़ों पर हमला करते देखा गया।

बगबानी विज्ञान संभाग

खजूर के पौधों के रूपात्मक लक्षणों को जांचा गया। सुपारी के जर्मप्लाज्म को सुपारी और गिरी के गुणों के लिए परखा गया। तटीय भारत में आजीविका विविधीकरण के लिए सजावटी बागवानी पर परियोजना में 37 लक्षणों का उपयोग करते हुए गोवा के चमेली जर्मप्लाज्म के 119 पौधों की विशेषता बताई गई है।

केरल के बाढ़ प्रभावित एर्नाकुलम जिले से एकत्रित जल-जमाव सहिष्णु कसावा जर्मप्लाज्म का मूल्यांकन प्राकृतिक जल-जमाव स्थितियों के तहत सुपारी के तहत एक अंतरफसल के रूप में कंद उपज के लिए किया गया था।

मोमोर्डिकाजर्मप्लाज्मा संग्रह का मूल्यांकन किया गया और इसे मोमोर्डिका सह्याद्रिका के रूप में दर्ज किया गया। यह प्रजाति एक महत्वपूर्ण, नव स्थानिक, कम उपयोग वाली, द्विलिंगी प्रजाति है जो

प्राकृतिक वितरण द्वारा केवल भारत तक ही सीमित है, विशेष रूप से, सह्याद्रि पर्वत शृंखला तक। 'सह्याद्रि लौकी' पदवी का उपयोग एम. सह्याद्रिका के लिए किया गया था। पहली बार और रासायनिक उत्तेजनाओं (AgNO₃ 500ppm) का उपयोग करके दो आनुवंशिक रूप से महिला जीनोटाइप के बीच क्रॉसिंग का प्रयास किया गया, जिसके परिणामस्वरूप सामान्य फल सेट और बीज विकास हुआ।

सब्जी फसलों पर एआईसीआरपी के तहत, 10 परीक्षणों का मूल्यांकन किया गया, जिनमें सरसों हरा: 1 प्रयोग (प्रजातियों पर), भिंडी: 3 प्रयोग (वाईवीएमवी वराइटल/प्रतिरोधी), टमाटर: 6 प्रयोग (हाइब्रिड और टीओएलसीवी वराइटल//हाइब्रिड) शामिल थे। सरसों की हरी प्रविष्टियों, 2021-MGVAR-6 और 2021-MGVAR-3 से बहु-कटाई के साथ क्रमशः 683 q/ha और 658 q/ha की औसत उपज दर्ज की गई। प्रयोगों से आठ, छह और सात प्रविष्टियाँ क्रमशः OKRA (YVMV) वैराइटी, AVT-II, OKRA (YVMV) वैराइटी, AVT-I और OKRA (YVMV) प्रतिरोधी वैराइटी IET में, बुआई के 90 दिन बाद 0% YVMV दर्ज की गई।

कोकम बीज से मक्खन की निष्कर्षण क्षमता बढ़ाने के लिए ऊष्मीय (विभिन्न तापमानों पर कैबिनेट ड्रायर में सुखाने) और जैव-ऊष्मीय प्रसंस्करण (उच्च तापमान पर सुखाने और फिर विभिन्न उपभेदों के साथ क्विपित) तकनीक का उपयोग करके एक बेहतर विधि विकसित की गई।

कोकम फलों का उपयोग वाइन बनाने के लिए किया जा सकता है। खमीर उपभेदों के सावधानीपूर्वक

चयन द्वारा इस विधि में दो प्रकार की वाइन, यथा टेबल वाइन और एक डेजर्ट वाइन का 10% और 4% अल्कोहॉल सामग्री के साथ उत्पादन किया गया।

कटहल के मूल्यवर्धन भारत के कई तटीय राज्यों के लिए एक लाभकारी अतिरिक्त व्यवसाय हो सकता है। मूल्यवर्धन के आर्थिक अध्ययन किया गया। सब्जी के उद्देश्य से और आटे के रूप में कटहल का मूल्यवर्धन हमें वाणिज्यिक उत्पादों में आगे की प्रक्रिया के लिए एक वर्ष का समय प्रदान करता है।

पशु एवं मत्स्य विज्ञान संभाग

16srRNA अनुक्रमण द्वारा क्लिनिकलमास्टिटिस से जुड़े यीस्टरोगजनों की प्रजातियों की पहचान की गई और उनके एंटीबायोटिक प्रतिरोध प्रोफाइल का आकलन किया गया। स्टैफिलोकोकसऑरियस और यीस्टरोगजनों के खिलाफ कोलियस(पेलेट्रान्थस) एंबोइनिकस, पोगोस्टेमोनकैब्लिन (इंडियन पचौली), कोस्टुसिग्नियस (इंसुलिन प्लांट) एडहाटोडावासिका, आर्टेमिसियाएनुआ, एंड्रोग्राफिसपैनिकुलाटा और सेन्नाअलेक्जेंड्रीना के मेथनॉलिक अर्क के रोगाणुरोधी गुणों का आकलन डिस्क प्रसार विधि द्वारा किया गया था। स्टैफिलोकोकसहेमोलिटिकस, एस. एपिडर्मिडिस और एस.ऑरियस के खिलाफ पेलेट्रान्थुसम्बोनिकस अर्क का एमआईसी क्रमशः 50µg/ml, 25µg/ml और 25µg/ml देखा गया।

गोवा से बकरी सीरम नमूनों में पीपीआर के सीरो-प्रचलन के विश्लेषण से पीपीआर रोग की 25.3% व्यापकता देखी गई।

देशी श्वेता-कपिला मवेशियों का प्रजनन लक्षण वर्णन किया गया और प्रमुख प्रजनन विशेषताओं में यौवन की उम्र (25.6 ± 0.32 महीने), पहली सेवा की उम्र (34.1 ± 1.24 महीने), पहली बार ब्याने की उम्र (41.3 ± 1.65 महीने), औसत सेवा अवधि शामिल है (92.3 ± 1.83 दिन) और अंतर-बांत अंतराल (392.4 ± 8.62 दिन)। जन्म के समय औसत वजन 13.35 ± 0.23 किलोग्राम था और बछड़ों का दैनिक वजन 0.21 ± 0.01 किलोग्राम/प्रतिदिन बढ़ा। युवावस्था और ब्याने के अंतराल के दौरान मादाओं की उम्र अपेक्षाकृत कम होती है, जो इस स्वदेशी नस्ल की स्पष्ट रूप से अनुकूल प्रजनन क्षमता का संकेत देती है। स्वदेशी श्वेता कपिला और गिर नस्ल के मवेशियों में प्रजनन सुदृढ़ता परीक्षण के माध्यम से प्रजनन बैल प्रजनन कार्य का मूल्यांकन किया गया था।

गर्म अवधि के दौरान मलाशय का तापमान और श्वसन दर मवेशियों की अन्य नस्लों (साहीवाल और गिर) की तुलना में श्वेता कपिला (गोवा की एक देशी गाय की नस्ल) में तुलनात्मक रूप से कम थी। श्वेता कपिला मवेशियों की तुलना में साहीवाल और गिर में गर्म अवधि के दौरान अधिक ऊतक क्षति का संकेत देने वाली उच्च स्तर की एंजाइमेटिक गतिविधि थी। मवेशियों की अन्य नस्लों की तुलना में उच्च Na^+ और Cl^- और कम K^+ सीरम आयनसांद्रता, श्वेता कपिला मवेशियों की बेहतर थर्मो-सहिष्णुता क्षमता का संकेत देती है। अनुक्रमण परिणामों से श्वेता कपिला मवेशियों में HSP90AA1 जीन के 3'UTR में 3 नवीन SNPs (loci g.G.4733C, g.C4765A और g.A4848G) का पता चला।

एटीआर-एफटीआईआरस्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके स्वदेशी शूकर के वीर्य की वीर्य प्रोफाइलिंग भी की गई और महत्वपूर्ण वर्णक्रमीय क्षेत्रों को मापा गया जिसमें न्यूक्लिकएसिड और शर्करा के लिए फिंगरप्रिंट क्षेत्र ($500-1,500$ सेमी-1) और एमाइडा/II क्षेत्र ($1,500-1,700$ सेमी-) थे। 1) प्रोटीन के लिए, स्वदेशी शूकर वीर्य नमूनों में, शुक्राणु प्रोटीन के अनुरूप एमाइडा/II क्षेत्र में विशिष्ट पैटर्न की पहचान की जा सकती है। ग्रामप्रिया जैसी पिछवाड़े की पोल्ट्री किस्मों में एआई और कंप्यूटर सहायता प्राप्त वीर्य विश्लेषण की प्रक्रियाओं को मानकीकृत किया गया था। 93% की औसत प्रजनन क्षमता और 81% की हैचबिलिटी के साथ संस्थान इकाइयों के चयनित झुंडों में पोल्ट्रीएआई को सफलतापूर्वक अपनाया गया है।

राष्ट्रीय पशु रोग महामारी विज्ञान नेटवर्क के हिस्से के रूप में, पशुधन रोग प्रकोप की जांच और मासिक रोग प्रकोप रिपोर्टिंग की गई। समीक्षाधीन अवधि के दौरान गोवा में निदान की गई महत्वपूर्ण बीमारी का प्रकोप पोल्ट्री में संक्रामक कोरिजा और सीआरडी था; पोर्सिनसर्कोवायरस-2 संक्रमण, ई कोलाईसेप्टिसीमिया, सूअरों में पेस्टुरेलामल्टोसिडा और स्ट्रेप्टोकोकसजूरूपिडेमिक्यूसिन के साथ प्रणालीगत संक्रमण और मवेशियों में फ्यूसोबैक्टीरियमनेक्रोफोरम के कारण थेलेरियोसिस, बेबेसियोसिस, ब्रुसेलोसिस और सेप्टिसीमिया।

डेयरी मवेशियों की योनि में संक्रामक प्रजनन विकारों की जांच पर एक अध्ययन में, गोवा में स्थित चार डेयरी फार्मों से 34 गायों से गर्भाशय स्वाब और रक्त के नमूने एकत्र किए गए और बैक्टीरियाकल्चर,

एंटीबायोटिक संवेदनशीलता परीक्षण (एएसटी), आरबीपीटी, डीएनए अलगाव और जांच की गई पीसीआर. अध्ययन के दौरान एक गाय को साइटोब्रश और व्हाइटसाइडटेस्ट का उपयोग करके एंडोमेट्रियलसाइटोलॉजी द्वारा एंडोमेट्रिटिस का निदान किया गया और आरबीपीटी का उपयोग करके 5 गायों को ब्रुसेलोसिस का निदान किया गया। योनि स्वाब नमूनों की जीवाणु संस्कृति से 8 मामलों में ई. कोली और स्टैफिलोकोकसएसपीपी के अलगाव का पता चला। 4 मामलों से।

सक्रिय फाइटोकोस्टिट्यूट्स की जांच के लिए और पिछवाड़े के पोल्ट्री को खिलाने पर सहक्रियात्मक तरीके से उनकी कार्रवाई का अध्ययन करने के लिए जीसी-एमएस के माध्यम से प्राकृतिक फ्रीडएडिटिव्स का मूल्यांकन किया गया था। सीएआरआई-देवेन्द्र, ग्रामप्रिया और स्वदेशी बत्तखों में श्यामा तुलसी (ओसिममटेनुइफ्लोरम), मोरिंगा (मोरिंगाओलीफेरा), चेकुरमैनिस् (सॉरोपसैड्रोगिनस), कालमेघ (एंद्रोग्राफिसपैनिकुलेट), अल्पिनिया (अल्पिनियागैलंगा), हल्दी (करकुमालोंगा) के संयोजन के साथ भोजन प्रयोग किए गए।) और अदरक (ज़िंगिबरऑफिसिनेल)। इन फाइटोजेनिक फ्रीडएडिटिव्स को 2% खिलाने से पिछवाड़े के पोल्ट्री में वृद्धि, प्रतिरक्षा-प्रतिक्रिया, फ्रीड रूपांतरण अनुपात, हेमेटोलॉजी, आंत स्वास्थ्य में सुधार देखा गया। जापानी बटेरों की तीन अलग-अलग किस्मों CARI-श्वेता (लेयर), CARI-उत्तम (ब्रॉयलर) और CARI-ब्राउन का मूल्यांकन पीढ़ी दर पीढ़ी गोवा की गर्म और आर्द्र जलवायु में किया गया।

पोल्ट्री बीज परियोजना में, विभिन्न किस्मों जैसे - ग्रामप्रिया, सीएआरआई-देवेन्द्र और कड़कनाथ को रिपोर्टिंग वर्ष में पाला गया और उनकी वृद्धि और उत्पादन का मूल्यांकन किया गया। किसानों को उपजाऊ अंडे, चूजों, वयस्कों सहित कुल 13,980 संख्या में चिकन जर्मप्लाज्म, 860 संख्या में बत्तख और 7186 संख्या में बटेर की आपूर्ति की गई।

मीठे पानी के तालाब प्रणालियों में चारा मछली के रूप में छोटी स्वदेशी मछली (एसआईएफ) और तिलापिया के लिए एक पॉलीकल्चर प्रयोग में एशियाई सीबास (लेटस कैलकैरिफर) की वृद्धि, अस्तित्व और आर्थिक दक्षता का मूल्यांकन किया गया था। उपचार में जीवित रहने की दर उच्चतम (72%) थी जहां 2000 वर्ग मीटर के तालाब में एसआईएफ और तिलापिया के साथ समुद्री बास का संवर्धन किया गया था। इससे नौ महीने की अवधि में 1773 किलोग्राम बायोमास उत्पादन हुआ। सीबास द्वारा एसआईएफ की फ्रीड स्वीकृति संख्या, वजन और आवृत्ति प्रतिशत के मामले में तिलापिया और आईएमसी किशोरों की तुलना में अधिक थी।

समुद्री बास कल्चर के लिए उपयुक्त चारा मछलियों को निर्धारित करने के परीक्षणों से संकेत मिलता है कि कांच की मछली, (अम्बासिस अम्बासिस) का उपयोग एशियाई समुद्री बास के चारा मछली के रूप खारे से लेकर कम खारे पानी के कल्चर सिस्टम में किया जा सकता है। मीठे पानी के पारिस्थितिकी तंत्र में अम्बासिस अम्बासिस के लिए ब्रूडस्टॉक विकास, मीठे पानी की सहनशीलता और परिपक्वता अध्ययन किया गया था, जिससे संकेत मिलता है कि प्रजातियों ने 10-20%

अनुकूलन है। गोवा में विभिन्न मीठे पानी के निकायों से साइप्रिनिडे परिवार की छोटी स्वदेशी मछलियों (एसआईएफ) की लंबाई-वजन प्रोफाइल का अध्ययन किया गया था। गोवा में मीठे पानी की प्रणालियों में विभिन्न स्थानों से कुल 2485 मछली नमूनों (सिस्टोमुस्साराणा: 782; रासबोराडांडिया: 606; पुंटियसविटेटस: 577; पुंटियसमाहेकोला: 520) की लंबाई के वजन का डेटा दर्ज किया गया था।

मछली प्रजातियों के विविधीकरण और मछुआरों को विभिन्न जलीय कृषि और संबद्ध गतिविधियों का प्रदर्शन करने के लिए, तिलापिया, पंगासियस और एट्रोप्लस प्रजातियों के कल्चर का प्रदर्शन किए गए थे। मछली प्रजनन, संवर्धन और जलीय कृषि प्रयोगों के लिए नर्सरी तालाबों और ग्रो-आउट तालाबों सहित एक्वाकल्चर फार्म विकसित किया गया। सजावटी मत्स्य पालन पर नाबार्ड द्वारा वित्त पोषित परियोजना में, 61 प्रशिक्षुओं के लिए उद्यमिता विकास के लिए सजावटी मछली संस्कृति पर तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। सजावटी मछली पालन की दो प्रदर्शन इकाइयाँ भी स्थापित की गईं।

कैद में स्वदेशी सजावटी मछलियों के प्रजनन के लिए, गोवा में विभिन्न स्थानों से स्वदेशी मीठे पानी की सजावटी मछलियों का नमूना और ब्रूड-स्टॉक संग्रह किया गया। सजावटी मछलियों की पांच प्रजातियों की पहचान की गई और बंदी स्थिति में प्रजनन और बीज उत्पादन के लिए इन मछली प्रजातियों के लिए प्रजनन परीक्षण स्थापित किए गए। तरबूज बार्ब (*हलुदरिया प्रधानी*) से बंदी अवस्था में 500 बीज पैदा किए गए थे।

कृषि पारिस्थितिकी पर्यटन

भारत के तटीय क्षेत्रों में विभिन्न मौजूदा कृषि-इकोटूरिज्म मॉडलों का अध्ययन किया गया और तदनुसार, कृषि-इकोटूरिज्म प्रतिमान को उसके स्थान (खेत पर बनाम खेत से बाहर) या डिग्री के आधार पर प्राथमिक या माध्यमिक के रूप में वर्गीकृत करने के लिए एक वैचारिक ढांचा विकसित किया गया, जिसका संबंध कृषि से है। तटीय क्षेत्रों में टिकाऊ कृषि-इकोटूरिज्म मॉडल के लिए प्रथाओं और वैज्ञानिक दिशा-निर्देशों का एक पैकेज तैयार किया गया और विभिन्न हितधारकों तक प्रसारित किया गया। पचास से अधिक किसानों, उद्यमियों और युवाओं को प्रशिक्षित किया गया और संस्थान के एग्रो-इकोटूरिज्म सेंटर और एग्रो-बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से छात्रों (>1000) के लिए एक्सपोजर विजिट आयोजित किए गए। औषधीय और सुगंधित पौधों की 150 प्रजातियों के साथ एक मॉडल 'धनवंत्रीवाटिका' (1670 वर्ग मीटर) और एक मॉडल 'नक्षत्र वाटिका' को कृषि-इकोटूरिज्म के अभिन्न अंग के रूप में स्थापित किया गया है।

अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना केंद्र

परियोजना: अखिल भारतीय समन्वित चावल सुधार परियोजना



खरीफ़ 2022 के दौरान चोड़न में सीएसटीवीटी परीक्षण का दृश्य
एकीकृत कृषि प्रणालियों पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना



गोवा की तराई स्थितियों के लिए एकीकृत कृषि प्रणाली मॉडल



चावल+डेयरी आधारित एकीकृत कृषि प्रणाली मॉडल
रोपण फसल आधारित उपभूमि एकीकृत कृषि प्रणाली का विकास



रोपण फसल आधारित एकीकृत कृषि प्रणाली मॉडल



नारियल+हल्दी, सुपारी+हल्दी उथली भूमि की फसल प्रणाली एकीकृत कृषि प्रणाली



अपलैंड आईएफएस मॉडल में कुट्टनाड़ बत्तख



कोंकण कन्याल बकरियां

ताड़ के पेड़ों पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना

नारियल में अंतरफसलों का प्रदर्शन

क्रं.सं	उपचार	फसल एवं काटा हुआ भाग	अंतरफसल की उपज (किग्रा/हे.)
टी 1	नारियल+ काली मिर्च + पपीता + सहजन	पपीता फल	229.17
टी 2	नारियल + काली मिर्च + हेलिकोनिया	हेलिकोनिया फूल	191500*
टी 3	नारियल + काली मिर्च + केला + नींबू	नींबू फल	फल लगाने से पहले की अवस्था
टी 4	नारियल + काली मिर्च + कृष्णकमल फल + अनानास	अनानास फल	1194.03
टी 5	नारियल + काली मिर्च + एनोना	सीताफल	46.51
टी 6	नारियल + काली मिर्च + क्रॉसेड्रा	क्रॉसेड्रा फूल	29.49

सुपारी में किस्मों का मूल्यांकन और मदर ब्लॉक की स्थापना और गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री का उत्पादन ।

सब्जी फसलों पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना

आयोजित परीक्षणों का विवरण

रबी एवं खरीफ, 2022 के दौरान सब्जी फसलों की विभिन्न प्रविष्टियों का प्रदर्शन।

क्रं.सं	परीक्षणों का नाम	प्राप्त प्रविष्टियों की संख्या	अंकुरित और परीक्षण की गई प्रविष्टियों की संख्या	सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली प्रविष्टियाँ
1	हरा सरसों - आईईटी	06	03	For leaf yield with multiple harvests 2021-MGVAR-6 (683 q/ha) and 2021-MGVAR-3 (658 q/ha)
2	Okra (YVMV) Varietal AVT-II	12	12	YVMV incidence 0 % in entries namely 2019/OKYVRES-1, 2019/OKYVRES-2, 2019/OKYVRES-5, 2019/OKYVRES-6, 2019/OKYVRES-7, 2019/OKYVRES-9, 2019/OKYVRES-11 and 2019/OKYVRES-13, after 90 days from sowing
3	Okra (YVMV) Varietal - AVT-I	08	08	YVMV incidence 0 % in entries namely 2020/OKYVVARRES-1, 2020/OKYVVARRES-2, 2020/OKYVVARRES-3, 2020/OKYVVARRES-4, 2020/OKYVVARRES-6 and 2020/OKYVVARRES-7, after 90 days from sowing
4	Okra (YVMV) Varietal Resistant IET	10	10	YVMV incidence 0 % in entries namely 2021/OKYVVRES-1, 2021/OKYVVRES-3, 2021/OKYVVRES-4, 2021/OKYVVRES-5, 2021/OKYVVRES-6,



				2021/OKYVVRES-7 and 2021/OKYVVRES-8,after 90 days from sowing
5	Tomato Hybrid Det.- AVT II	08	08	-
6	Tomato (TOLCV) Hybrid AVT-II	08	08	-
7	Tomato (TOLCV) Varietal AVT-II	07	07	-
8	Tomato Hybrid Det.- AVT-I	07	07	-
9	Tomato (TOLCV) Hybrid AVT-I	08	08	-
10	Tomato Hybrid Det.- IET	06	06	-



निदेशक, भाकृअनुप-आईआईवीआर, वाराणसी द्वारा इंस्टीट्यूट फार्म में एआईसीआरपी-वीसी परीक्षणों की निगरानी

बीज (फसलें) पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना

संस्थान फार्म में उत्पादित बीज की मात्रा

फसल	प्रकार	बीज वर्ग	मात्रा (क्विंटल)	
धान	गोवा धान 1	प्रजनक बीज	5.0	
	गोवा धान 2	प्रजनक बीज	2.0	
	गोवा धान 3	प्रजनक बीज	5.0	
	गोवा धान 4	प्रजनक बीज	5.0	
	जया	टू से लेबल किया गया बीज	1.0	
	ज्योति	टू से लेबल किया गया बीज	0.5	
	सहभागी धान	टू से लेबल किया गया बीज	1.5	
	कर्जत 3	टू से लेबल किया गया बीज	0.5	
लोबिया	गोवा लोबिया 3	प्रजनक बीज	2.0	
मूँग	टीएम 96-2	टू से लेबल किया गया बीज	0.5	
				खरीफ 2022 के दौरान बीज उत्पादन (संस्थान प्रक्षेत्र)
खरीफ और रबी सीजन (2022-23) के दौरान संस्थान के खेत में उत्पादित कुल गुणवत्ता पूर्ण बीज : 23.5				



किसानों के खेत में सहभागी बीज उत्पादन



कनकुम्बी में रागी की किस्म KMR 301

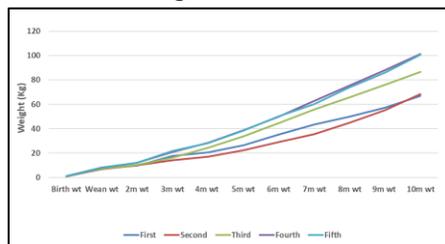
कावलेम, गांवडोंग्रिम, कानाकोना में धान की किस्म सहभागीधान

किसानों के खेत में धान की किस्म सहभागीधन और सहभागी बीज उत्पादन पर फ्रंट लाइन प्रदर्शन



संस्थान फार्म में न्यूक्लियस बीज उत्पादन प्लॉट का दृश्य

शूकरों पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना



संकर शूकरों का पीढ़ी-दर-पीढ़ी विकास प्रदर्शन

वित्तपोषित परियोजनाएँ

भूमि को आकार देने के तरीके और सुधार के लिए एकीकृत कृषि प्रणाली दृष्टिकोण गोवा की खज़ान भूमि के अंतर्गत किसानों की आजीविका सुरक्षा (नाबार्ड द्वारा वित्त पोषित) (जीआर महाजन, परवीन कुमार, सुजीत देसाई, परमेशा वी, उथप्पा ए आर, श्रीपाद भट)



तालाब हेतु निशान लगाया हुआ प्रक्षेत्र एवं नव निर्मित प्रक्षेत्र तालाब के दृश्य

टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल अपनाने के माध्यम से किसानों का सशक्तिकरण प्रमुख सब्जियों में एकीकृत कीट एवं रोग प्रबंधन प्रौद्योगिकियाँ गोवा में फसलें (नाबार्ड) (आरमारुथादुराई और आर. रमेश.)



प्रदर्शनप्रशेत्र मिर्च की पैदावार

उद्यमिता विकास और आजीविका सुधार के माध्यम से सजावटी मछली पालन का प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन
(त्रिवेश मयेकर)



मछली नमूनाकरण स्थल वालपोई मछली नमूनाकरण स्थल केरी मछली नमूनाकरण



गोवा की स्वदेशी मछलियाँ

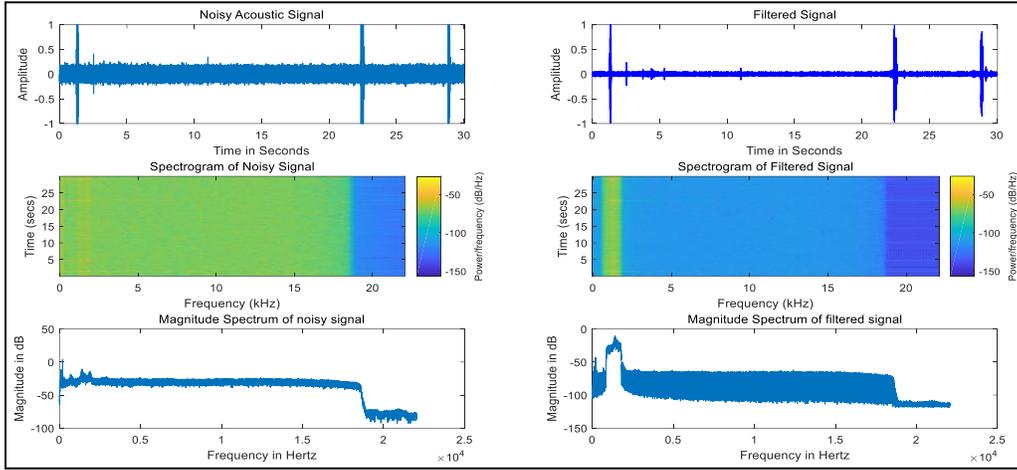


उद्यमिता विकास के लिए सजावटी मछली पालन का प्रशिक्षण



किसानों और हितधारकों के लिए सजावटी मछली पालन पर प्रशिक्षण

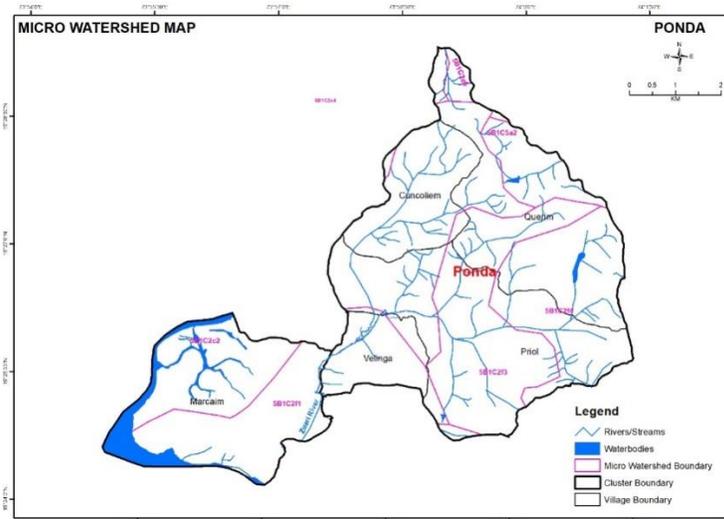
काजू के स्टेमबोररका शीघ्र पता लगाने के लिए ध्वनिक तरीकों का डिजाइन एवं विकास (डीएसटी, एसईआरबी) (आर मारुथादुराई और टीवीरकुमार)



प्रथम इंस्टार की ध्वनिक ध्वनियाँ

जीवन चक्र के माध्यम से एकीकृत कृषि प्रणाली में कार्बन पदचिह्न का आकलनस्थिरता और जलवायु लचीलेपन के लिए मूल्यांकन (एनआईसीआरए) (परमेश, वी, वीअरुणाचलम, त्रिवेशमयेकर, गोकुलदासपीपी और एआरउथप्पा)

सतत प्राकृतिक संसाधन संरक्षण और आजीविका सुधारगोवा में एकीकृत जलसंभर प्रबंधन के माध्यम से (सुजीतदेसाई, ए रायज़ादा, गोपाल महाजन, एआरउथप्पा, बप्पा दास, परमेशवी, श्रीपाद भट्ट, गोकुलदासपीपी और मोनिका सिंह)

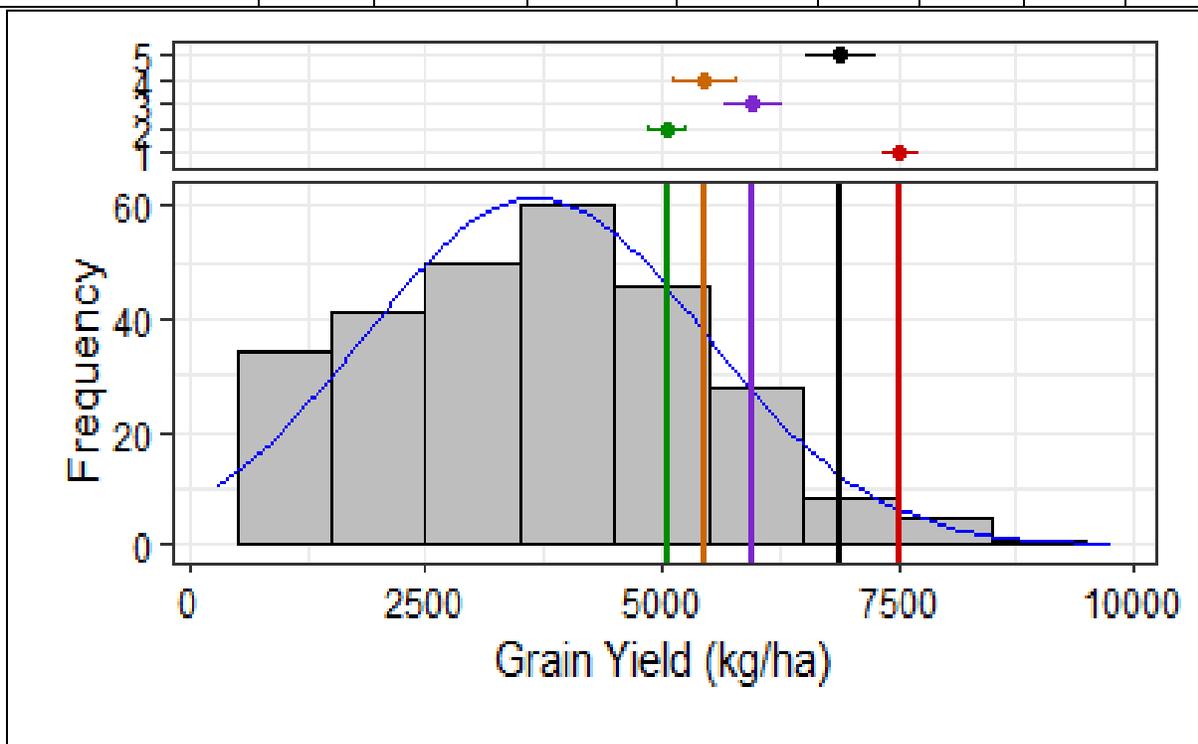


अध्ययन क्षेत्र के जल निकासी नेटवर्क के साथ सूक्ष्म वाटरशेड सीमा

कार्यात्मक जीनोमिक्स और आनुवंशिक रूप से संशोधन पर नेटवर्क परियोजना(एनपीएफजीजीएम) कोर (आईसीएआर) (मनोहाराकेके)

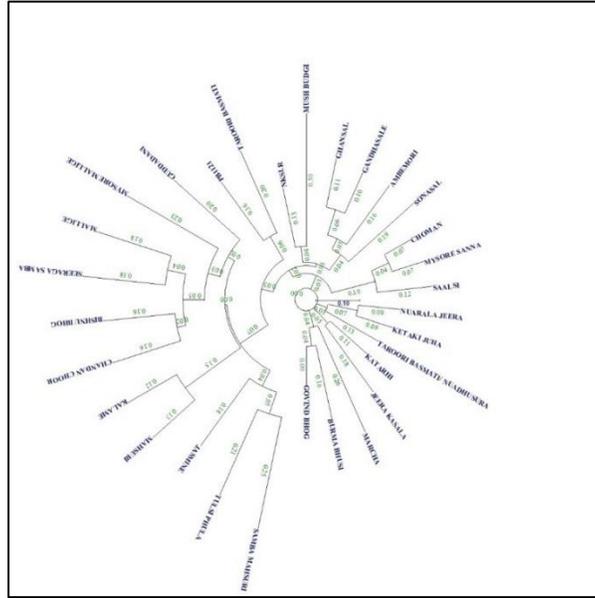
जया_x गोवा धान 2 के एफ6 आरआईएल में आनुवंशिक मापदंडों का अनुमान

प्रवृत्ति	न्यूनतम	अधिकतम	अर्थ	CV (%)	GCV	PCV	H ²	GAM
डीएफएफ	76.0	130.0	99.35	1.5	15.68	15.75	99.09	32.20
डीएम	109.0	160.0	134.08	2.37	11.32	11.57	95.82	22.87
PHT (cm)पीएचटी	92.0	259.0	169.53	6.04	19.23	20.14	91.12	37.86
NPTएनपीटी	2.43	14.27	5.72	15.55	17.77	23.93	55.16	27.23
PL (cm)पीएल	22.05	36.75	29.86	2.6	8.98	9.35	92.36	17.81
GPPगिपीपी	36.63	247.67	126.96	11.5	26.4	28.78	84.17	49.97
PFपीएफ	20.95	99.05	82.69	8.24	7.61	11.22	46.05	10.66
GY (kg/ha)जीवाय	295.0	9771.0	3668.74	16.06	44.85	47.83	87.92	86.77

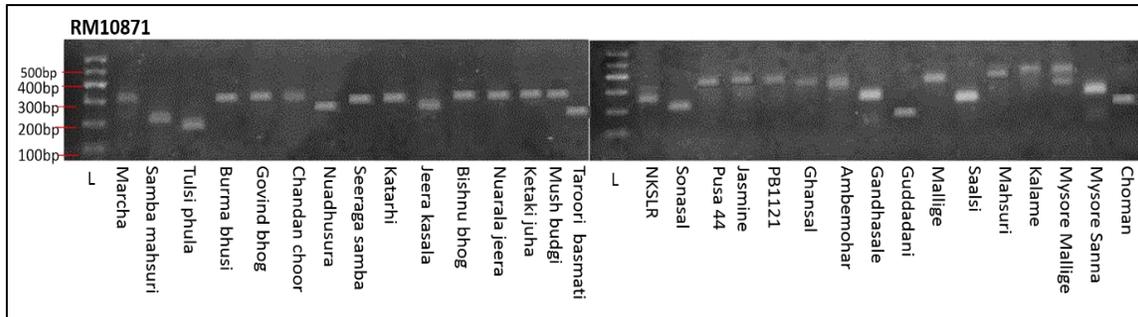


वर्षा आधारित उथली तराई स्थितियों के तहत जया x गोवा धान 2 से प्राप्त आरआईएल आबादी में अनाज की उपज का आवृत्ति वितरण

सुगंधित चावल की किस्मों में एसएसआरमार्कर आधारित आनुवंशिक विविधता विश्लेषण



जैककार्ड गुणांक का उपयोग करके पड़ोसी पेड़ से जुड़ रहा है जो 20 सुगंधित चावल की किस्मों के बीच विविधता का संकेत देता है



SSR मार्करRM10871 की प्रोफाइल

जीवाणुजैव-एजेंटों का उत्पादन और निर्माण प्रौद्योगिकी शोधन : तटीय पारिस्थितिकी तंत्र के अंतर्गत मृदाजनितपादप रोग प्रबंधन- चरण II(भाकृअनूप) (आर रमेश और मरुथादुराईआर)

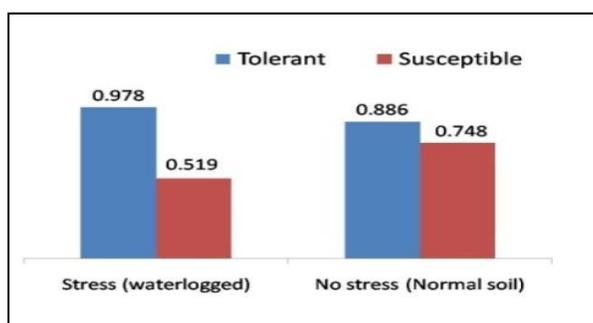
परियोजना: जिला कृषि-मौसम इकाई (डीएएमयू), उत्तरी गोवा (बप्पा दास, वी. अरुणाचलम, आर रमेश, एचआरसी प्रभु, मरुथादुराईआर, गोकुलदास पी पी, परमेशावी, निबेदिता नायक)

एनएआईएफ घटक II (कृषि-व्यवसाय इनक्यूबेटर) (मतला जूलियट गुप्ता, आरएस राजकुमार, श्रीपाद भट्ट)



डीजी (एनआरएम) द्वारा सीसीएआरआई में अग्नि के कृषि व्यवसाय केंद्र का उद्घाटन

भाकृअनुप-मेगा बीज परियोजना : बागवानी फसलों में बीज उत्पादन (वी अरुणाचलम)



जल जमाव सहिष्णु और अति संवेदनशील कसावा जर्मप्लाज्म के कंदों की उपज (किलो/पौधा)।

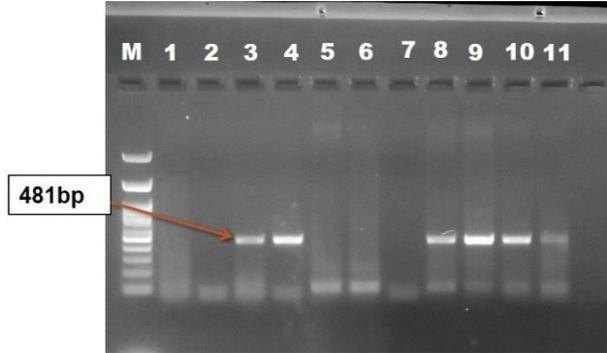
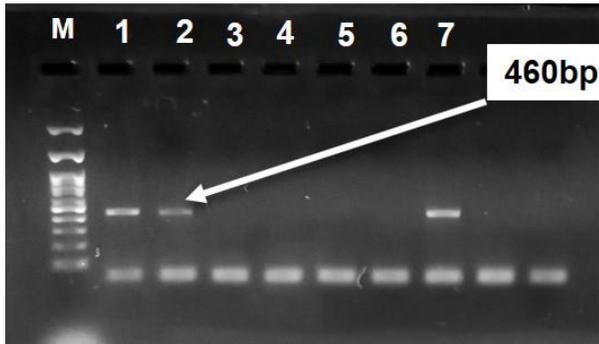
विभिन्न पौधों की बिक्री से अर्जित राजस्व (वर्ष)

क्र.सं.	फल प्रकार	बिक्री (रु.)
1	सुपारी	4105
2	नारियल	1155
3	आम	622
4	काली मिर्च	657
5	काजू	161
6	नींबू	263

7	वैक्सजंब	110
8	सोरसोप	151
9	पपीता	96
10	लौंग	73
11	अन्य	309
	कुल	7702

कुक्कुट बीज परियोजना (भाकृअनुप) (निबेदिता नायक)

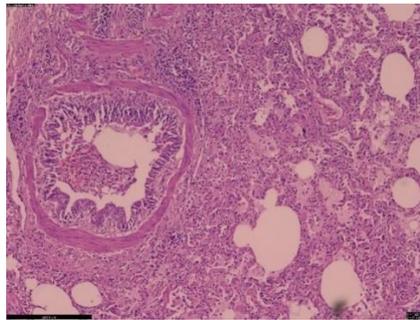
भाकृअनुप-राष्ट्रीय पशु रोग महामारी विज्ञान नेटवर्क (सुसिता राजकुमार)



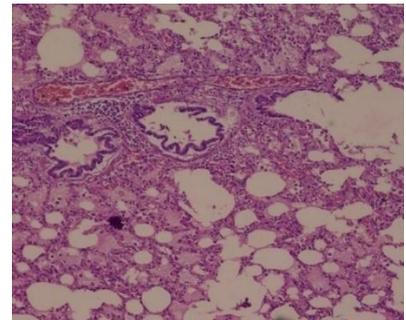
फ़िल्ड नमूनों में वायरस 460bp का एक उत्पाद है



शूकर के शव की त्वचा का रंग बैंगनी हो गया है और तरल पदार्थ निकल रहा है नाक गुहा से रक्त मिश्रित तरल पदार्थ का निकलना



फेफड़े का खंड, ब्रॉन्कोइलरलुमेन, एडेमेटसएक्स्यूडेट और डेनडेडएपिथेलियम से भरा हुआ



आई.पी.आर. सेल/आई.टी.एम.यू. गतिविधियां

आई. पी. आर. सेल / आई. टी. एम. यू . गतिविधियां

पेटेंट आवेदन दायर / संसाधित

इंस्टीट्यूटआईपीआर अटॉर्नी-मैसर्स कृष्णा एंड सौरास्त्रीएसोसिएट्सएलएलपी, मुंबई के माध्यम से भारतीय पेटेंट कार्यालय में 'तना और जड़ छेदक संक्रमण का पता लगाने के लिए विधि और प्रणाली' (पीए # 202221006557) नामक पेटेंट आवेदन में एक अनंतिम पेटेंट दायर किया गया था। 08 फरवरी 2022

04 अप्रैल, 2022 को इंस्टीट्यूटआईपीआर अटॉर्नी - मैसर्स कृष्णा एंड सौरास्त्रीएसोसिएट्सएलएलपी, मुंबई के माध्यम से पेटेंट कार्यालय में 'तना और जड़ छेदक संक्रमण (202221006557) का पता लगाने की विधि और प्रणाली' पर फॉर्म 1 दाखिल किया गया था।

अनुबंध अनुसंधान/एमओए/एमओयू पर हस्ताक्षर

कृषि-इकोटूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए 22 सितंबर, 2022 को आईसीएआर-सीसीएआरआई, गोवा और माइलस्टोनरिसॉर्ट्स, कैंडोलिम, गोवा के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए गए। एमओए के अनुसार, संस्थान "गोवा के एक द्वीप पारिस्थितिकी तंत्र में कृषि-इकोटूरिज्म वैचारिक ढांचे के मॉडल का आकलन" पर अनुबंध अनुसंधान करेगा। लाइसेंस शुल्क रुपये था। 17,70,000 (रु. 15,00,000 + 18% जीएसटी), और यह गैर-विशिष्ट लाइसेंसिंग समझौता तीन साल के लिए वैध है।



16 मार्च, 2022 को आदिवासी किसानों के किसान उत्पादक संगठन/स्वयं सहायता समूहों/सामुदायिक संगठनों की स्थापना के लिए ICAR-CCARI, गोवा और केरल पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, केरल के बीच AnMoA पर हस्ताक्षर किए गए।



छात्रों के प्रशिक्षण और गुणवत्ता स्नातकोत्तर अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए 30 मार्च, 2022 को प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद के साथ आईसीएआर-सीसीएआरआई, गोवा के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

01 अप्रैल, 2022 को प्रधान मंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों की औपचारिकता (पीएमएफएमई) योजना के तहत कॉमन इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना के लिए आईसीएआर-सीसीएआरआई, गोवा, कृषि विज्ञान केंद्र, दक्षिण गोवा और उद्योग, व्यापार और

वाणिज्य निदेशालय, गोवा के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।



आईसीएआर-सीसीएआरआई, गोवा ने अत्याधुनिक क्षेत्रों में छात्र प्रशिक्षण और गुणवत्ता स्नातकोत्तर अनुसंधान को बढ़ावा देने के माध्यम से दीर्घकालिक सहयोग के लिए 20 जून, 2022 को कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।



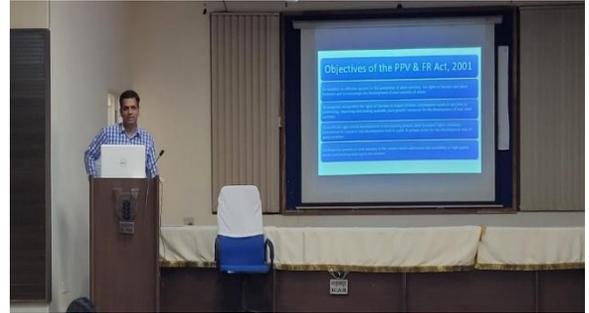
आईसीएआर-सीसीएआरआई, गोवा ने 08 जुलाई, 2022 को एसोसिएशन फॉर इन्वेंशन डेवलपमेंट ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप इन एग्रीकल्चर (ए-आईडीईए), आईसीएआर नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च मैनेजमेंट, राजेंद्रनगर, हैदराबाद, तेलंगाना के टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर के साथ सह-एमओए पर हस्ताक्षर किए। प्रयोगशाला अवसंरचना सुविधाओं तक पहुँचने और सलाह देने के लिए कार्य करें।

ऑनलाइन वेबिनार में व्याख्यान/सुविधा

आईटीएमयू ने वेबिनार में खोला/कैनाकोना मिर्च कृषक समूह, खोला गांव, गोवा के किसान समुदाय के प्रतिनिधियों की ऑनलाइन बातचीत और 12 जनवरी, 2022 को पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली द्वारा पीएसजीसी पुरस्कार विजेता के साथ बातचीत की सुविधा प्रदान की।



नोडल अधिकारी, आईटीएमयू द्वारा किसानों को कृषि नवाचारों, पीपीवी और एफआर अधिनियम, बीडीए/एनबीए सहित किस्मों के प्रजनन और संरक्षण और किसानों और खेती के बीच किस्मों के संरक्षण के क्षेत्र में किसानों के अधिकारों की रक्षा के महत्व पर एक व्याख्यान दिया गया था। 11, 2022, केवीके-उत्तरी गोवा में। इस व्याख्यान के दौरान गोवा के कुल 21 किसानों ने भाग लिया और बातचीत की।



बैठकें समन्वित / अन्य गतिविधियां

आईटीएमयू ने 09 दिसंबर, 2022 को सार्वजनिक लाभ के लिए प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण पर चर्चा के लिए एग्रीनोवेट इंडिया लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. प्रवीण मलिक के साथ आईसीएआर-सीसीएआरआई, गोवा के वैज्ञानिकों की एक बैठक का समन्वय किया।



आईटीएमयू ने आईपीआर और एबीआई से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए 23 नवंबर, 2022 को सहायक महानिदेशक (बौद्धिक संपदा और

प्रौद्योगिकी प्रबंधन) डॉ. के. श्रीनिवास के साथ आईसीएआर-सीसीएआरआई, गोवा के वैज्ञानिकों की एक बैठक का समन्वय किया।

अन्य गतिविधियां

किसानों की आय दोगुनी करने पर सफलता की कहानियां संकलित की गईं और 11 मार्च, 2022 को एनआरएमप्रभाग को सूचित किया गया।

प्रौद्योगिकी सूची तैयार की गई और 15 मार्च, 2022 को अटारी, बेंगलुरु और अटारी, जोधपुर के साथ साझा की गई।

DARE/ICAR की वार्षिक रिपोर्ट के लिए ITMU गतिविधियों से संबंधित जानकारी 15 नवंबर, 2022 को IP&TM, नई दिल्ली को भेजी गई थी।

प्रौद्योगिकी प्रसार

नारियल में जल संचयन तालाब गुरुत्वाकर्षण
आधारित सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली



जल संचयन तालाबगुरुत्वाकर्षण आधारित सूक्ष्म
सिंचाई प्रणाली



प्रौद्योगिकियों पर अग्रिम पंक्ति का प्रदर्शन



मिर्च में एकीकृत कीट एवं रोग प्रबंधन का प्रदर्शन

गोवा में उष्णकटिबंधीय सेब की किस्मों का
परिचय और मूल्यांकन

कम ठंडक की आवश्यकता वाले उष्णकटिबंधीय सेब की किस्मों जैसे अन्ना, एचआरएमएन-99 और गोल्डनडोरसेट को संगुएम तालुका के नेत्रावली क्षेत्र के तीन गांवों में पेश किया गया था। इस क्षेत्र का वार्षिक औसत न्यूनतम तापमान 17.62 डिग्री सेल्सियस (जनवरी) - 24.53 डिग्री सेल्सियस (मई) के बीच 21.51 डिग्री सेल्सियस था। इस क्षेत्र का वार्षिक औसत अधिकतम तापमान 28.07 डिग्री सेल्सियस (अगस्त) से 34.34 डिग्री सेल्सियस (अप्रैल) के बीच 31.20 डिग्री सेल्सियस था, वार्षिक वर्षा सीमा 0.74 मिमी (जनवरी) और 1348.71 मिमी (जुलाई) थी और वार्षिक वर्षा 3588.51 मिमी थी। ग्राफटेड पौधे हिमाचल प्रदेश से खरीदे गए और एसटीसी योजना के तहत आदिवासी किसानों को वितरित किए गए। सालगिनी गांव में, 11 फरवरी 2022 को श्री

गोकुलदासगांवकर के खेतों में 4 x 3 मीटर की दूरी पर 30 पौधे लगाए गए। वर्लेम गांव में, एक स्वयं सहायता समूह के नेतृत्व में 4 x 4 मीटर की दूरी पर तीन किस्मों के 21 पौधे लगाए गए। श्रीमती दीनिथा। टुडोव गांव में 27.05.2022 को श्री सतीशगांवकर के खेत में 13.06.2022 को 3 x 3 की दूरी पर 18 पौधों के साथ एक छोटा सा प्लॉट स्थापित किया गया था। सेब के पौधों की वृद्धि और उपज प्रदर्शन का लगातार मूल्यांकन किया जाएगा।

किसानों के क्षेत्र में कृत्रिम गर्भाधान प्रौद्योगिकी को अपनाना और उसका प्रसार करना

कृत्रिम गर्भाधान (एआई) कृषि पशुओं में आनुवंशिक सुधार के लिए सबसे महत्वपूर्ण और मूल्यवान प्रजनन जैव प्रौद्योगिकी उपकरणों में से एक है। शूकर पालन में उत्पादकता में सुधार लाने के उद्देश्य से, संस्थान ने किसानों के खेत में मानकीकृत एआई तकनीक लागू की है। तरल वीर्य का उपयोग करके एआई का प्रदर्शन किया जा रहा है और इस अवधि के दौरान, 60 एआई और 42 फैरोइंग के माध्यम से कुल 323 पिगलेट सफलतापूर्वक पैदा हुए हैं। किसानों के खेत में 71% की दर। इस तकनीक को अपनाने से व्यवहार्य पिगलेट की अधिक संख्या और पिगलेट की वृद्धि दर में सुधार के कारण शूकर उत्पादन को बढ़ावा मिला है। 198.44 लाख रुपये की आय के साथ कुल 35,156 मानव दिवस का रोजगार पैदा करके लगभग 130 किसान लाभान्वित हुए। इसके अलावा, किसानों को एआई प्रदर्शन करने के लिए प्रशिक्षित किया गया और उन्हें मद का पता लगाने, वैज्ञानिक आहार और स्वास्थ्य प्रबंधन प्रथाओं पर तकनीकी सलाह भी प्राप्त हुई। संस्थान ने क्षेत्र

में कृषक समुदाय को उन्नत संकर नस्ल के शूकरों सहित बेहतर गुणवत्ता वाले शूकर जर्मप्लाज्म वितरित किए हैं



संस्थान ने स्वदेशी बकरियों में

डबलप्रोस्टाग्लैडीनF2 α आहार को नियोजित करके एस्ट्रसइंडक्शन और सिंक्रोनाइजेशन के साथ संयुक्त तरल हिरन वीर्य का उपयोग करके एआई तकनीक का मानकीकरण किया है और एआई में इष्टतम सफलता दर के लिए अधिक कुशल और लागत प्रभावी स्वदेशी वीर्य मंदक विकसित करने के प्रयास चल रहे हैं। इस नियंत्रित प्रजनन तकनीक को अपनाने से किसानों के क्षेत्र में 60% की समग्र गर्भधारण दर और 30% की जुड़वां दर के साथ बकरी उत्पादन को बढ़ावा मिला है।

किसानों के शूकर बाड़े में किए जा रहे एआई लघु दुग्ध प्रसंस्करण इकाई की स्थापना



मुहाना क्षेत्र में प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया

त्रिशूर के तटीय जिले के वानियामपारा गांव के आदिवासी किसानों के लिए एक समुदाय-आधारित "लघु पैमाने की डेयरीप्रसंस्करण इकाई" रुपये के बजटीय आवंटन के साथ स्थापित की गई है। केरल पशु

चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, वायनाड, केरल के सहयोग से एमटीसी से वित्तीय सहायता के तहत 9.91 लाख।



केकड़ा संवर्धन तालाब (बाएं) और काटे गए केकड़े (दाएं)

वेम्बनाड बैकवार्टर्स, केरल में पर्लस्पॉट (एट्रोप्लससुरटेन्सिस) की एस्टुरीन पिंजरे संस्कृति का प्रदर्शन



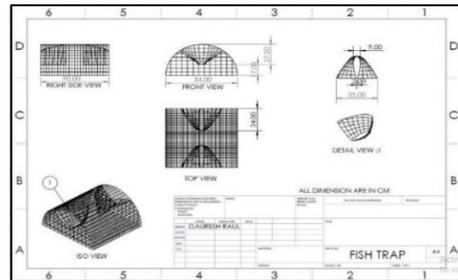
संस्कृति प्रणाली



काटी गई मछली-पर्लस्पॉट



एकत्रित मछली-समुद्री बास



जाल का योजनाबद्ध आरेख



परीक्षणों के लिए जाल का वितरण

प्रशिक्षण कार्यक्रम



"जलवायु लचीलेपन और आजीविका सुरक्षा के लिए तटीय कृषि पारिस्थितिकी प्रणालियों के विविधीकरण" पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (7 से 11 नवंबर 2022)



पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के विश्लेषण पर लघु पाठ्यक्रम (21 फरवरी, 2022)



काजू पर राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम (6-8 जनवरी, 2022)



वैज्ञानिक पोल्ट्री पालन पर कौशल विकास प्रशिक्षण (9 से 11 मार्च, 2022)



वैज्ञानिक बकरी पालन पर कौशल विकास प्रशिक्षण (20-22 जनवरी, 2022)



तीन वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन कार्यक्रम (21 से 28 फरवरी, 2022)



आत्मनिर्भर गोवा कृषि के लिए डिजिटल उपकरण और तकनीक' पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम(17 मार्च, 2022)



उन्नत चारे की खेती और साइलेज बनाने पर कौशल विकास प्रशिक्षण(15 से 17 मार्च, 2022)



महत्वपूर्ण मसाला फसलों के उत्पादन और प्रसार तकनीकों पर किसानों का प्रशिक्षण कार्यक्रम(25-26 मार्च 2022)



मसालों के प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन प्रौद्योगिकियों में प्रगति पर किसानों का प्रशिक्षण कार्यक्रम (21-22 अप्रैल 2022)



कटहल प्रसंस्करण पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण(21-23 अप्रैल, 2022)



ओडीओपी फसल कटहल पर प्रशिक्षण (6 से 11 अप्रैल, 2022)



कटहल प्रसंस्करण पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम(8-9 जून, 2022)



पशुओं में रोग निदान एवं बांझपन प्रबंधन पर प्रशिक्षण(15 जून, 2022)



सजावटी मछली पालन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम
(2 जुलाई, 2022)



दालचीनी के उन्नत उत्पादन और प्रसंस्करण
प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम(29 नवंबर, 2022)



कोकम प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर प्रशिक्षण
(6 जुलाई, 2022)



गोवा कृषि को आत्मनिर्भर बनाने के लिए
आईसीएआर-सीसीएआरआई ने स्वयंपूर्ण मित्रों के
लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया(20
दिसंबर 2022)



गोवा कृषि को आत्मनिर्भर बनाने के लिए
आईसीएआर-सीसीएआरआई ने स्वयंपूर्ण मित्रों के
लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया
(16 दिसंबर 22)



आईसीएआर-सीसीएआरआई ने 'सजावटी मछली
पालन' पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित
किया (20 दिसंबर, 2022)



हल्दी की खेती एवं प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण(11
जुलाई, 2022)

अनुसूचित जनजाति घटक (एसटीसी) और अनुसूचित जाति उपयोजना (एससीएसटी)



अनुसूचित जनजाति घटक के अंतर्गत प्रक्षेत्र दिवस एवं
किसान-वैज्ञानिक संवाद



अनुसूचित जनजाति के किसानों को जैव-एजेंटों का
वितरण



गोवा के आदिवासी किसानों को उन्नत किस्म के
पोल्ट्रीजर्मप्लाज्म का वितरण



एसटीसी कार्यक्रम के तहत पोल्ट्री पालन में वैज्ञानिक
प्रजनन प्रथाओं पर प्रशिक्षण-सह-प्रदर्शन का आयोजन
किया गया



केरल के आदिवासी किसानों के लिए केवीएसयू के
सहयोग से एसटीसीफंड के तहत एक लघु
डेयरीप्रसंस्करण इकाई की स्थापना की और कौशल
विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।

आई.सी.ए.आर.-कृषि विज्ञान केंद्र, उत्तरी गोवा

आईसीएआर-कृषि विज्ञान केंद्र की स्थापना 1983 में कृषि और संबद्ध क्षेत्र में प्रौद्योगिकी मूल्यांकन, शोधन, स्थानीय कृषि जलवायु स्थिति में प्रदर्शन और क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए संस्थान में की गई थी। की गई प्रमुख गतिविधियाँ नीचे दी गई हैं:

प्रशिक्षण

हर साल केवीके किसानों, कृषक महिलाओं और विस्तार कार्यकर्ताओं को उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों और नवीनतम तकनीकी जानकारी पर ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित



कृषि विज्ञान केंद्र, उत्तरी गोवा में मधुमक्खी पालन पर प्रशिक्षण

करता है। 2022 के दौरान 1280 प्रतिभागियों को शामिल करते हुए 48 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रमुख प्रशिक्षण कार्यक्रम उत्पादन और प्रबंधन प्रौद्योगिकी, संसाधन संरक्षण प्रौद्योगिकी, प्राकृतिक खेती, वर्मी-कंपोस्टिंग, जैविक इनपुट उत्पादन, एकीकृत कीट प्रबंधन, एकीकृत रोग प्रबंधन, मधुमक्खी पालन, प्रमुख फल फसलों का मूल्यवर्धन, उद्यमिता विकास, डेयरी का वैज्ञानिक प्रबंधन, पर थो मुर्गीपालन और बकरी पालन, कम/न्यूनतम लागत वाले आहार का डिजाइन और विकास, महिला सशक्तिकरण आदि।



चोडन, तिस्वाड़ी में जैविक इनपुट तैयारी पर प्रशिक्षण



कृषि विज्ञान केंद्र, उत्तरी गोवा में सजावटी मत्स्य पालन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम केवीके, उत्तरी



गोवा में साइलेज बनाने पर प्रशिक्षण

विभिन्न मंचों पर केवीके की भागीदारी

केवीके 13288 किसानों को शामिल करते हुए 2357 विभिन्न प्रकार की विस्तार गतिविधियों के संचालन में सक्रिय रूप से शामिल है, जैसे कि क्षेत्र दिवस, एक्सपोजरविजिट, प्रदर्शनियां, सम्मेलन, कृषि-सलाहकार, वेबिनार, मृदा स्वास्थ्य शिविर आदि। इसके अलावा केवीके व्हाट्सएप जैसे विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का भी उपयोग करता है। सूचना के व्यापक

प्रसार के लिए समूह, फेसबुक, यूट्यूब और ट्विटर। यह विश्व खाद्य दिवस, महिला किसान दिवस, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, विश्व मृदा दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, किसान दिवस, राष्ट्रीय दाल दिवस, स्वच्छता पखवाड़ा आदि जैसे महत्वपूर्ण दिनों को मनाने और विभिन्न अन्य गतिविधियों के आयोजन में भी सक्रिय रूप से शामिल है।



जोनल, पेरनेम में किसान दिवस का उत्सव



कृषि विज्ञान केंद्र उत्तर गोवा, में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया



अरला-केरी में विश्व खाद्य दिवस मनाया गया



केवीके में विश्व मृदा दिवस मनाया गया

फार्म परीक्षणों पर

किसानों की स्थिति और प्रबंधन के तहत और नियंत्रण के रूप में किसान की अपनी प्रथाओं का उपयोग करके नई तकनीक या एक विचार का परीक्षण करने के

लिए किसान के क्षेत्र में ऑन फार्म परीक्षण (ओएफटी) आयोजित किए जाते हैं। वर्ष 2022 में निम्नलिखित ओएफटी आयोजित किए गए थे

क्र.सं..	कार्यक्रम	विवरण
A	खेत पर परीक्षण	परीक्षणों की संख्या
1	मक सहिष्णु धान की किस्मों गोवा धान 3 और गोवा धान 4 का आकलन। यह देखा गया कि गोवा धान -4 की उपज 2.19 टन/हेक्टेयर के साथ सबसे अधिक थी।	5
2	बैंगन की किस्म का आकलन. गोवा बैंगन-1 एवं गोवा बैंगन-2 का मूल्यांकन किया जा रहा है। मुकदमा प्रगति पर है	5
3	टमाटर की किस्मों अर्का रक्षक और कोंकण विजय का मूल्यांकन। अर्का रक्षक 47.5 टन/हेक्टेयर उपज के साथ सबसे अधिक उपज देने वाली किस्म थी	5
4	लाल अमरेंथस की किस्मों गोवा तम्बाड़ी भाजी-1 और कोंकण दुरंगी का मूल्यांकन। दोनों किस्मों की पैदावार बराबर रही। ई 11.58 टन/हेक्टेयर गोवा तम्बाड़ी भाजी और 11.23 टन/हेक्टेयर कोंकण दुरंगी।	5
5	उन्नत कुक्कुट नस्लों का आकलन. ग्रामप्रिया नस्ल को इसके उच्च अंडा उत्पादन -169अंडे/वर्ष के कारण पसंद किया गया	5
6	अधिक उपज देने वाली चारा किस्मों Co-5 और सुपरनेपियर का मूल्यांकन किया जाता है।	3



धान की नमक सहिष्णु किस्मों गोवा धान 3 और गोवा धान 4 का आकलन



बैंगन की किस्म का आकलन. गोवा बैंगन 1 और गोवा बैंगन 2

अग्रिम पंक्ति में प्रदर्शन

केवीके कर्मचारियों की देखरेख में किसानों के खेत पर नवीनतम तकनीकों पर एफएलडी का आयोजन किया

गया। निम्नलिखित FLD 2022 में आयोजित किए गए थे

क्र.सं	अग्रिम पंक्ति का प्रदर्शन	प्रदर्शनों की संख्या	क्षेत्रफल (ha)
1	उच्च उपज देने वाली नमक सहिष्णु चावल किस्म गोवा धान1 को लोकप्रिय बनाना	8	1
2	तना एवं जड़ छेदक का प्रबंधन	10	2
3	लोबिया संस्करण को लोकप्रिय बनाना। गोवा लोबिया3	10	1
4	उच्च उपज देने वाले यार्डलॉन्ग बीन संस्करण को लोकप्रिय बनाना। अर्का मंगला	10	0.5
5	स्वीटकॉर्न संस्करण को लोकप्रिय बनाना। गोल्डनसीओबीएफ1	10	0.5
6	अधिक उपज देने वाली किस्म अर्का माणिक को लोकप्रिय बनाना	10	0.5
7	प्याज संस्करण का लोकप्रियकरण।	10	0.5
	कुल	68	6



दिवार, तिसवाड़ी में अधिक उपज देने वाली नमक सहिष्णु चावल किस्म गोवा धान को लोकप्रिय बनाना



गुलेली, सत्तारी में सीएसआरबी प्रबंधन पर एफएलडी



अधिक उपज देने वाली तरबूज की किस्म पारा, बर्देज को लोकप्रिय बनाना



लोबिया संस्करण को लोकप्रिय बनाना। गोवा काउपिया3, पारा, बर्देज

एनआईसीआर के तहत प्रौद्योगिकी प्रदर्शन

केवीके को मिले रुपये मायेम गांव में जलवायु लचीली प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करने के लिए टीडीसी-एनआईसीआर के तहत 8.5 लाख। इस परियोजना के

अंतर्गत निम्नलिखित लचीली प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया

फसल	प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन किया	विविधता	किसानों की संख्या	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)/सं
चावल	गोवा धन 1+ गोवा बायो1	गोवा धन1	33	20
सुपारी	बोर्डोस्रे		10	
लोबिया	गोवा काउपिया3+ आईपीएम	गोवा लोबिया 3	5	0.5
टमाटर	अर्कविकास + आईपीएम + आईएनएम	अरका विकास	5	0.5
यार्ड लांग बीन	अर्का मंगला + पॉलीमल्व + आईएनएम	अरका मंगला	4	0.1
बकरी पालन	वैज्ञानिक बकरी पालन	कॉकणकन्याल	2	5 nos.
मुर्गी पालन	वैज्ञानिक पिछवाड़े मुर्गीपालन	ग्रामप्रिया	5	110 nos.
डेरी	मास्टिटिस नियंत्रण प्रबंधन	विविधता	10	28 nos.



मायेम, बिचोलिम में एन.आई.सी.आर.ए. के तहत गोवा धन1 और गोवा बायो1 का प्रदर्शन



सी.सी.ए.आर.आई. बकरी इकाई में मायेमकिसानों को एनआईसीआरए के तहत कोंकणकन्याल बकरियों का वितरण

तिलहन पर क्लस्टर प्रदर्शन

केवीके को 20 हेक्टेयर में मूंगफली की उन्नत खेती तकनीक का प्रदर्शन करने के लिए तिलहन पर सीएफएलडी के तहत 2.4 लाख रुपये मिले। ये प्रदर्शन धारगल गांव में आयोजित किए गए, किसानों के खेत में

मूंगफली की किस्म डीएच-256 का प्रदर्शन किया गया। प्राप्त डीएच-256 की औसत उपज 2.87 के बी:सी अनुपात के साथ 24.85 क्विंटल/हेक्टेयर थी।



धारगल, पेरनेम में तिलहन पर सीएफएलडी के तहत मूंगफली पर खेत दिवस



सीसीएआरआई के निदेशक डॉ. परवीन कुमार सीएफएलडी भूखंडों का दौरा करते हुए

राजस्व उत्पत्ति

क्र.सं.	विवरण	उत्पन्न मात्रा	राजस्व (रुपये)
1	रोपण सामग्री	2196 nos.	8,948
2	वर्जिन नारियल का तेल	86.6litre	95,370
3	कृमि खाद	4690 kg	95,025
5	सब्जी के बीज	516.55 kg	6,62,000
6	मुर्गी पालन	11592 nos.	1,16,444
कुल			10,58,321/-

पुरस्कार और मान्यता



कर्नाटक के तटीय जिले के नवोन्मेषी किसान श्री अमाई महालिंगानाइक को आईसीएआर-सीसीएआरआई, गोवा द्वारा पद्म श्री 2022 से सम्मानित किया गया।



गोवा राज्य जैव विविधता बोर्ड (जीएसबीबी), गोवा सरकार ने आईसीएआर-सीसीएआरआई वैज्ञानिक डॉ. मनोहर केके को सम्मानित किया



आईसीएआर-सीसीएआरआई, गोवा को 35वें राज्यत्व दिवस पर गोवा सरकार द्वारा सम्मानित किया गया

संस्थान ने 02-10-2022 से 31-10-2022 तक लंबित मामलों के निपटारे के लिए एक विशेष अभियान 2.0 का सफलतापूर्वक आयोजन किया.

क्र.सं.	क्रमांक विशेष अभियान के दौरान की गई गतिविधियाँ
1	सभी कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई
2	संस्थान के खेल मैदान की सफाई एवं निराई-गुड़ाई
3	विद्यालय में वर्मीकम्पोस्ट जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया
4	संबंधित अधिकारियों द्वारा मुख्य भवन में कार्यालयों, प्रयोगशालाओं और गलियारों की सफाई
5	ग्राम पंचायत में वर्मीकम्पोस्ट जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया
6	ब्लॉक ए के संस्थान परिसर की सीमा की दीवारों के अंदर पौधों की छंटाई और झाड़ियों की छंटाई
7	भौतिक फ़ाइलों को छंटना
8	संस्थान परिसर में साइनबोर्डों की सफाई और पेंटिंग करना
9	स्थानीय पंचायत के सहयोग से संस्थान की बाहरी दीवारों की सफाई
10	ओल्ड गोवा गांव में स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए रैली
11	संस्थान परिसर (बीब्लॉक) की चारदीवारी के अंदर पौधों, रेत, झाड़ियों की छंटाई
12	वृक्षारोपण अभियान
13	ब्लॉक ए, बी और सी के सभी वॉशरूम में पानी के रिसाव, फ्लशसिस्टम की जांच और मरम्मत
14	आवासीय क्वार्टर क्षेत्र से सफाई, निराई और प्लास्टिक हटाना
14	नर्सरी इकाई के पास पुराने बरगद के पेड़ के पास के क्षेत्र की सफाई करना और क्षेत्र को क्रियाशील बनाना।
16	लेबरशेड के सामने के क्षेत्र की सफाई करना और इसे वर्मी-कम्पोस्ट इकाई के रूप में उपयोग करना
17	संस्थान परिसर (सी ब्लॉक) की चारदीवारी के अंदर पौधों की छंटाई और झाड़ियों की छंटाई
18	संस्थान परिसर में फील्डबोर्ड की सफाई और पेंटिंग
19	संस्थान से सटे राष्ट्रीय राजमार्ग से सफाई, प्लास्टिक और अन्य कचरे को हटाना
20	मुख्य भवन के भूतल पर साइनबोर्ड को अद्यतन करना और पुरानी अनुपयोगी स्क्रेप मशीनरी, वैज्ञानिक उपकरण और धातु स्क्रेप का निपटान
21	परिसर को साफ सुथरा रखने के लिए सुरक्षा द्वारों और मुख्य भवन के बाहर कूड़ेदान रखे गए थे
22	सार्वजनिक स्थानों, सामुदायिक बाजार स्थानों और/या आस-पास के पर्यटक स्थलों पर प्लास्टिक कचरा संग्रहण अभियान चलाया गया
23	अनुपयोगी वस्तुओं का निपटान किया गया और टूटे हुए फर्नीचर की पहचान की गई और उनकी मरम्मत की गई

संस्थान ने 16 से 31 दिसंबर, 2022 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया।

Date	स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान गतिविधियाँ संचालित की गईं
16-12-2022	<ol style="list-style-type: none"> 1. इस संस्थान के प्रमुख स्थानों पर बैनर प्रदर्शित किये गये। 2. सभी स्टाफ सदस्यों/अधिकारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई। 3. स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान सभी स्टाफ सदस्यों को गतिविधियों का जायजा लेने और जानकारी देने का आयोजन किया गया। 4. इस संस्थान में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया।
17-12-2022	<ol style="list-style-type: none"> 1. बुनियादी रखरखाव 2. संस्थान के कार्यालय और गलियारों/परिसर की सफाई की गई। 3. गोवा के प्रियोल गांव के स्कूली बच्चों के जीवन की सामान्य गुणवत्ता में सुधार लाने और साफ-सफाई, स्वच्छता को बढ़ावा देने और खुले में शौच को खत्म करने के लिए स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। 4. पुराने रिकार्डों की छंटनी की गई। 5. अभियान के दौरान व्यवस्थित निपटान के लिए कुछ धातु स्क्रेप की पहचान की गई।
18-12-2022	<ol style="list-style-type: none"> 1. मेरा गांव मेरा गौरव कार्यक्रम के तहत गोद लिए गए गांव वेलिंग, गोवा में स्वच्छता/अपशिष्ट संग्रहण अभियान चलाया गया और ग्रामीणों को प्लास्टिक और बायोडिग्रेडेबल कचरे को अलग करने के बारे में भी जानकारी दी गई। 2. गोवा के उजगाव गांव के हायरसेकेंडरी स्कूल में स्वच्छता अभियान चलाया गया. स्वच्छतापखवाड़ा के समन्वयक ने छात्रों को वर्मिन-कंपोस्टिंग के बारे में जानकारी दी और पारिस्थितिक रूप से सुरक्षित और टिकाऊ स्वच्छता के लिए लागत प्रभावी और उचित प्रौद्योगिकियों के लिए छात्रों को प्रोत्साहित किया।
19-12-2022	<ol style="list-style-type: none"> 1. आवासीय कॉलोनियों और ओल्ड गोवा मार्केटप्लेसड्रेनेज चैनल सहित परिसर और आसपास के क्षेत्र में सफाई और स्वच्छता अभियान चलाया गया। 2. इस संस्थान में बायोडिग्रेडेबल और गैर-बायोडिग्रेडेबल कचरे का पृथक्करण और उसका निपटान किया गया।
20-12-2022	<ol style="list-style-type: none"> 1. स्वच्छता अभियान के तहत अपशिष्ट प्रबंधन गतिविधि/कचरे से धन सृजन का आयोजन किया गया, जिसमें जैविक कचरे का उपयोग किया गया और इसे उपयोगी खाद में परिवर्तित किया गया।
21-12-2022	<ol style="list-style-type: none"> 1. स्वच्छता पखवाड़ा के एक भाग के रूप में, अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और वर्षा जल संचयन के महत्व के बारे में संविदा कर्मचारियों के लिए आईसीएआर-सीसीएआरआई, गोवा में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। डॉ. सुजीतदेसाई, वैज्ञानिक (एलडब्ल्यूएमई) ने संविदा कर्मियों को पशु इकाइयों के अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और उसके उपयोग के लिए संस्थान की पर्यावरण-अनुकूल अपशिष्ट जल उपचार सुविधा की प्रक्रिया और महत्व के बारे में

	<p>जानकारी दी। मजदूरों को वर्षा जल संचयन के महत्व और कृषि और अन्य संबद्ध गतिविधियों के लिए इसके विवेकपूर्ण उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई।</p> <p>2. इस संस्थान के रिसाव तालाब की सफाई, गाद हटाने और बैंकिंग का कार्य किया गया।</p>
22-12-2022	<p>1. स्वच्छता पखवाड़ा के तहत एक मौन जुलूस का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए सभी कर्मचारियों/अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।</p>
23-12-2022	<p>1. स्वच्छता पखवाड़ा विशेष दिवस के अवसर पर - किसानों और कृषक महिलाओं के बीच स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 23.12.2022 को धारगल गांव में किसान दिवस का आयोजन किया गया। युवा प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया।</p> <p>2. माननीय श्री. नरेंद्र सिंह तोमर, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, इस संस्थान में आयोजित किसान दिवस के अवसर पर संबोधित करते हुए।</p>
24-12-2022	<p>1. स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर, ग्राम धारगल में एक अभियान आयोजित किया गया जहां किसानों और कृषक महिलाओं को मास्क और सैनिटाइजर वितरित किए गए।</p>
25-12-2022	<p>1. स्वच्छता पखवाड़ा के उपलक्ष्य में प्लास्टिक कचरे को हटाने और राजमार्ग पर सड़क की सफाई को स्वच्छता अभियान के रूप में चलाया गया।</p>
26-12-2022	<p>1. स्वच्छता पखवाड़ा के तहत इस संस्थान के स्टाफ सदस्यों के बच्चों के लिए ड्राइंग और एक निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।</p>
27-12-2022	<p>1. इस संस्थान में 'अपशिष्ट प्रबंधन और वर्मीकम्पोस्टिंग' पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था, वेबिनार के वक्ता श्री थे। सवाईवेरेम, गोवा के प्रगतिशील किसान संजय पाटिल ने अपशिष्ट प्रबंधन और वर्मीकम्पोस्टिंग के बारे में जानकारी दी।</p> <p>2. गोवा के मार्सेल गांव का दौरा किया और ग्रामीणों को इसके बारे में जानकारी दी वर्मीकम्पोस्टिंग, अपशिष्ट से धन का रूपांतरण और प्राकृतिक खेती।</p> <p>3. इसमें गोवा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग फार्मगुडी, गोवा का दौरा किया कार्यक्रम स्वच्छता पखवाड़ा के समन्वयक ने छात्रों को कचरे को अलग करने, वर्मीकम्पोस्टिंग, कचरे से धन का रूपांतरण और प्राकृतिक खेती पर व्याख्यान दिया।</p> <p>4. केन्द्रीय विद्यालय, कुर्ती, गोवा के छात्रों ने हमारे संस्थान के वीके, उत्तरी गोवा का दौरा किया, छात्रों को अपशिष्ट प्रबंधन, वर्मीकम्पोस्टिंग और प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी दी गई।</p>
28-12-2022	<p>1. भिरौंडा, वालपोई, गोवा में "कचरे के पुनर्चक्रण" पर स्वच्छता पखवाड़ा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। वक्ता श्री. भिरौंडावलपोई के सरपंच उदय सिंह राणे ने वर्मी-कम्पोस्ट प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी और सभी ग्रामीणों को इसका प्रदर्शन भी किया। इसने वास्तव में ग्रामीणों को जैविक कचरे को बहुत समृद्ध खाद में बदलने के लिए प्रोत्साहित किया। अभियान के दौरान वर्मीकम्पोस्ट बैग का वितरण भी किया गया।</p>
29-12-2022	<p>1. लगभग 24 किसानों ने हमारे कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), उत्तरी गोवा का दौरा किया। केवीके के प्रभारी प्रमुख ने उन्हें स्वस्थ पौधों को उगाने के लिए जैविक कचरे को उपयोगी खाद में बदलने</p>

	के लिए वर्मी-कंपोस्टिंग की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी और सूखे और गीले कचरे को अलग करने की विधि के बारे में भी जानकारी दी।
30-12-2022	1. स्वच्छता पखवाड़ा के उपलक्ष्य में श्रीमती। सैड्रगोसाल्वेस, सरपंच, और श्री। ओल्ड गोवा ग्राम पंचायत के पंच हर्षदधुलापकर ने हमारे संस्थान का दौरा किया। सरपंच ने सभा को संबोधित किया और सहमति व्यक्त की कि स्वच्छता समय की मांग है और परिसर को साफ रखने के लिए संस्थान द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। दोनों वीआईपी को वर्मी-कंपोस्टिंग, जैविक कचरे को उपयोगी कृषि खाद में परिवर्तित करने की पूरी गतिविधि के बारे में जानकारी दी गई।
31-12-2022	1. 16-31 दिसंबर, 2022 के लिए लेख श्री द्वारा प्रेस मीडिया को भेजा गया था। राहुल कुलकर्णी, समन्वयक, स्वच्छता पखवाड़ा.



स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत सीसीएआरआई, गोवा में की गई गतिविधियों के दृश्य।

संस्थान के राजभाषा प्रकोष्ठ की गतिविधियां

संस्थान की राजभाषा प्रकोष्ठ संस्थान के कार्यान्वयन में राजभाषा के उपयोग के प्रोत्साहन तथा भारत सरकार की राजभाषानीतियों का अनुकरण व प्रसार में अहं भूमिका निभाती है। हिन्दी के प्रयोग तथा प्रधानता के आधार पर राजभाषा विभाग भारत सरकार द्वारा विभक्त किए गए तीन भौगोलिक क्षेत्रों में, हमारी संस्थान 'ग' क्षेत्र में स्थित है। राजभाषा अधिनियम व राजभाषा नियम के अनुसार संस्थान में राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा तथा राजभाषा के प्रयोग को गति प्रदान करने हेतु संस्थान के निदेशक की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित की गयी है जिसमें विभिन्न अनुभागों के वैज्ञानिकों, तकनीकी कर्मचारियों तथा प्रशासनिक कर्मचारियों को शामिल किया गया है। संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन समिति निम्न प्रकार से है:

- | | |
|---|-----------|
| 1. डॉ प्रवीण कुमार, निदेशक | - अध्यक्ष |
| 2. डॉ मतला जूलियट गुप्ता, वरिष्ठ वैज्ञानिक | - सचिव |
| 3. श्रीमति मोंटीया रीता डीसिल्वा, प्रशासनिक अधिकारी | - सदस्य |
| 4. श्रीमति स्नेहाआर्लेकर, सहायक प्रशासनिक अधिकारी | - सदस्य |
| 5. श्रीमति प्रतिभा सावंत, सहायक प्रशासनिक अधिकारी | - सदस्य |
| 6. श्रीमति सुनंदा सावंत, सहायक प्रशासनिक अधिकारी | - सदस्य |
| 7. श्री सिद्धार्थ मराठे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी | - सदस्य |
| 8. श्री शशि विश्वकर्मा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी | - सदस्य |
| 9. श्रीमति प्रांजलिवाडेकर, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, पुस्तकालय समन्वयक | - सदस्य |
| 10. श्री विश्वजीत प्रजापति, तकनीकी अधिकारी | - सदस्य |
| 11. श्री विश्वास शर्मा, सहायक | - सदस्य |
| 12. श्रीमति श्रेयाबर्वे, आशुलिपिक | - सदस्य |

वर्ष 2022 में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक 17.03.2022, 17.06.2022, 30.07.2022, 31.10.2022 तिथियों को सम्पन्न हुई है। इनमें राजभाषा संबंधी कार्यकलापों की समीक्षा की गई तथा राजभाषा कार्यान्वयन में आनेवाली बाधाएँ एवं उनके निदान के उपायों पर चर्चा एवं सुझाव लिये गए। राजभाषा कार्यान्वयन समिति भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु समुचित योजना को सुनिश्चित करती है तथा समय-समय पर किए गए प्रयासों की समीक्षा एवं मार्गदर्शन भी करती है।

हिन्दी पखवाड़ा 2022

भा.कृ.अनु.प. – केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, इला, ओल्ड गोवा में 06 सितम्बर से 23, सितम्बर 2022 के दौरान हिन्दी पखवाड़े का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। संस्थान में 06 सितंबर 2022 को हिंदी पखवाड़े का उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। संस्थान के माननीय निदेशक महोदय डॉ. प्रवीण कुमार ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन से किया। सभा को संबोधित करते हुए निदेशक महोदय ने हिंदी पखवाड़ा एवं हिंदी दिवस का महत्व बताते हुए कहा कि हिन्दी विश्वभर दूसरी सबसे ज्यादा बोले जाने वाली भाषा है। उन्होंने संस्थान के सभी कर्मियों को खुले मन से राजभाषा को

अपनाने एवं उसकी प्रयोग को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके अतिरिक्त मंच पर उपस्थित प्रशासनिक अधिकारी श्रीमति मोंटीया रीता डिसिल्वा ने हिंदी भाषा के विषय में अपने मौलिक विचार सभा में रखे और प्रशासनिक कार्यों में हिन्दी की प्रतिदिन हो रहे बढ़ोत्तरी के बारे में बताया तथा संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन को सराहा।

इस संस्थान की राजभाषा अधिकारी डॉ. मतला जूलियट गुप्ता ने सभा में उपस्थित सभी को हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रूप रेखा के बारे में सभी कर्मियों को अवगत कराया। पखवाड़े में आयोजित किये गए विभिन्न कार्यक्रम निम्नलिखित है :

क्र सं.	प्रतियोगिता का नाम	दिनांक
1.	संस्थान के कर्मियों के बच्चों के लिए चित्रकला एवं प्रतिभा दर्शन प्रतियोगिताएं	06.09.2022
2.	सुलेख प्रतियोगिता- सभी कर्मचारियों के लिए	07.09.2022
3.	हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता— सभी कर्मचारियों के लिए	08.09.2022
4.	सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी— सभी कर्मचारियों के लिए	12.09.2022
5.	आशुभाषण प्रतियोगिता- सभी कर्मचारियों के लिए	14.09.2022
6.	हिंदी काव्यपाठ प्रतियोगिता— सभी कर्मचारियों के लिए	14.09.2022
7.	अंतरकार्यालयीन हिन्दी निबंध प्रतियोगिता-गोवा के सभी सरकारी कार्यालयों के कर्मचारियों के लिए	15.09.2022
8.	कम्प्यूटर पर यूनिकोड में टाइपिंग-सभी कर्मचारियों के लिए	16.09.2022
9.	सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी का अंतिम दौरा	22.09.2022

पखवाड़े का समापन समारोह 23 सितम्बर को डॉ. नरेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व निदेशक एंव एमेरिटस वैज्ञानिक, मुख्य अतिथि, श्री. संदीपलोटलीकर, सह-प्राध्यापक, पी.इ.एस. कॉलेज, फोंडा, सम्मानीय अतिथि एवं संस्थान के निदेशक डॉ प्रवीण कुमार के

उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ आईसीएआर गीत एवं मान्यवरों के हाथों दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। श्री राहुल कुलकर्णी, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने कार्यक्रम का सूत्रसंचालन किया। गया। संस्थान के माननीय निदेशक डॉ. प्रवीण

कुमार ने अतिथियों का आदर-सत्कार पुष्पगुच्छ एवं मानचिन्ह के साथ किया। संस्थान की राजभाषा अधिकारी डॉ॰ मतला जूलियट गुप्ता ने हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का संक्षिप्त में विवरण प्रस्तुत किया पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मान्यवरों के हाथो पुरस्कृत किया गया। उन्होंने अपनी भाषण में हिन्दी पखवाड़े के सफल आयोजन के लिए संस्थान के सभी कर्मचारियों एवं राजभाषा प्रकोष्ठ को बधाई देते हुए सभी को राजभाषा

का कार्यान्वयन में वर्षभर सतत बढ़ोत्तरी करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के सम्माननीय अतिथि श्री॰ संदीपलोटलीकर ने अपने भाषण में राजभाषा की देश एवं विश्वभर बढ़ते प्रभाव पर अति मनोरंजक भाषण दिया। मुख्य अतिथि डॉ॰ नरेंद्र प्रताप सिंह ने संस्थान को हिन्दी पखवाड़े की सफलता पर सराहा एवं दिल से राजभाषा को अपनाने के लिए प्रेरित किया। सह-राजभाषा अधिकारी, श्रीमति श्रेयाबर्वे, निजी सहायक ने आभार ज्ञापन प्रस्तुत किया।



चित्रकला स्पर्धा



निबंध लेखन प्रतियोगिता



प्रतिभादर्शन प्रतियोगिता



सुलेख प्रतियोगिता

भाकृअनुप- केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

भाकृअनुप- केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान में दिनांक 24.02.2022 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया था, इस कार्यशाला का विषय “डिजिटल प्लैटफार्म पर राजभाषा हिंदी” और इस विषय के मार्गदर्शक वक्ता थे, डॉ राकेश शर्मा, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान गोवा। संस्थान के उप राजभाषा अधिकारी श्री. शशि विश्वकर्मा ने मुख्य वक्ता का परिचय उपस्थित मान्यवरों को कराया। माननीय निदेशक महोदय डॉ प्रवीण कुमार ने पुष्पगुच्छ देकर मुख्य वक्ता डॉ राकेश शर्मा का स्वागत किया और विषय के महत्व के बारे में अपने विचार प्रस्तुत कर सभी गणमान्यों को अवगत कराया। डॉ राकेश शर्मा ने ‘डिजिटलप्लैटफार्म पर

राजभाषा हिंदी’ यह विषय सभागृह में उपस्थित सभी स्तर के कर्मचारियों को परिचित कराया और हिंदी को आसान तरीके से कैसे प्रस्तुत किया जाए उसपर विस्तार रूप से सभी को अवगत कराया। उन्होंने हिंदी की सबसे आसान टंकण विधि के बारे में जानकारी दी ताकि हिंदी के कार्यों में कोई बाधा न आए। उक्त कार्यशाला में संस्थान के सभी स्तर के कुल 45 वैज्ञानिकों/अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया था। कार्यशाला के अंत में संस्थान के माननीय निदेशक महोदय डॉ प्रवीण कुमार और राजभाषा अधिकारी श्री राहुल कुलकर्णी ने सभी को आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया।



भाकृअनुप - केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान में "कार्यालयीन पत्राचार" विषय पर राजभाषा कार्यशाला

भाकृअनुप - केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान के प्रशासनिक कार्यों में राजभाषा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए दिनांक 24.06.2022 के दोपहर 3.00 बजे सम्मलेन कक्ष में "कार्यालयीनपत्राचार" विषय पर कार्यशाला का आयोजन संस्थान की राजभाषा अधिकारी एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मतला जूलियट गुप्ता द्वारा किया गया था।

कार्यशाला में कार्यालयीन पत्राचार के बुनियादी तत्वों जैसे की कार्यालयीन पत्रों के प्रकार, उनकी भाषा एवं प्रकृति, स्वरूपगतढाचों आदि के बारे में जानकारी प्रदान की गई अथवा विविध पत्रों यथा सरकारी पत्र, अर्ध सरकारी पत्र, अनुस्मारक, पावती, पृष्ठांकन, कार्यालय आदेश, परिपत्र आदि पर चर्चा एवं अभ्यास करवाया गया था। इस कार्यशाला में केंद्रीय हिंदी निदेशालय के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के विडियो के प्रयोग से कार्यशाला को रोमांचक बनाया गया। इस कार्यशाला में संस्थान के 15 कर्मचारियों ने भाग लेकर लाभ उठाया।



भाकृअनुप - केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान में "टिप्पण का बुनियादी ज्ञान" विषय पर कार्यशाला का आयोजन

भाकृअनुप - केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान के प्रशासनिक कार्यों में राजभाषा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए दिनांक 20.08.2022 के अपराह्न 3.30 बजे सम्मलेन कक्ष में "टिप्पण का बुनियादी ज्ञान" विषय पर कार्यशाला का आयोजन संस्थान के सहायक श्री. विश्वास शर्मा द्वारा किया गया था।

कार्यशाला में टिप्पण लेखन के बारे में विस्तारपूर्वक ज्ञान दिया गया जैसे की टिप्पण की परिभाषा, उसका महत्व, मूल संरचना, टिप्पणी के प्रकार, उसकी विशेषताएं, टिप्पण का उद्देश्य, उन्होंने यह भी बताया की टिप्पणी का प्रस्तुतीकरण कैसा होना चाहिए, जैसेकि अधिकारियों के पास समय की कमी रहती है और इस बात को ध्यान में रखकर आवश्यकता अनुसार कम-से-कम शब्दों में अधिक-से-अधिक आशय व्यक्त करना ताकि पढ़ने वालों को अपना निर्णय तुरन्त देने में कठिनाई महसूस न हो। इस कार्यशाला में संस्थान के 24 कर्मचारियों ने भाग लेकर लाभ उठाया।



भाकृअनुप - केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान में “कार्यालय संचालन में राजभाषा का योगदान” विषय में राष्ट्रीयस्तर पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

भाकृअनुप - केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान में दिनांक 15.11.2022 को हिन्दी कार्यशाला का आयोजन ऑनलाइन माध्यम द्वारा किया गया था। इस कार्यशाला का विषय “कार्यालय संचालन में राजभाषा का योगदान” और मार्गदर्शक वक्ता श्री राजीव रंजन, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी – हरियाणा पावर यूटिलिटीस हरियाणा सरकार थे। संस्थान की राजभाषा अधिकारी डॉ मतला जूलियट गुप्ता ने कार्यशाला में उपस्थित सभी का स्वागत किया। माननीय निदेशक महोदय डॉ. प्रवीण कुमार ने इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता का परिचय उपस्थित मान्यवरों को कराया। श्री राजीव रंजन ने अपने संबोधन में कहा की हिन्दी हमारी राजभाषा ही नहीं बल्कि मातृभाषा भी है। हिन्दी भाषा को माता का दर्जा देते हुए उन्होंने जोर दिया की वैज्ञानिक संस्थानों में अपने शोध कार्यों एवं विकास किए तकनीकियों का ज्ञान हिन्दी या स्थानीय भाषाओं में उसके मुख्य हितधारकोंयात: किसान भाइयों एवं बहनों तक पहुँचाए ताकि वे उन्हें सहजता से अपना सकें। अंत में उन्होंने राजभाषा के महत्व और उसे सरलता एवं सहजता से अपनाने के विषय पर प्रकाश डाला।



आयोजन

सेमिनार, वेबिनार, कार्यशाला, जागरूकता कार्यक्रम, अभियान और बैठकें आयोजित की गईं



आत्मनिर्भर तटीय कृषि-2022 पर कुलागर पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय राष्ट्रीय संगोष्ठी कार्यशाला



जैविक खेती एवं किसान मेला पर जागरूकता भंडारण पर अभियान कार्यक्रम



खाद्यान्न और दालों के प्रसंस्करण



उभरती जलकृषि प्रणालियों और प्रथाओं पर राष्ट्रीय अभियान



बांस की खेती पर जागरूकता कार्यक्रम



पीएम किसान सम्मान सम्मेलन जागरूकता कार्यक्रमकी वेबकास्टिंग



विश्व रेबीज दिवस



गोवा के माननीय राज्यपाल ने 'खज़ान भूमि का कायाकल्प' अनुसंधान परियोजना का उद्घाटन



राष्ट्रीय बालिका दिवस



शूकर प्रषेत्र प्रदर्शन दिवस



अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस



विश्व पल्स दिवस



नारियल की वैज्ञानिक खेती पर खेत दिवस



33वां स्थापना दिवस



विश्व नारियल दिवस



शूकर पालन प्रषेत्र प्रदर्शन दिवस



विश्व अंडा दिवस



8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस



विश्व मृदा दिवस



वन विभाग के सहयोग से वन महोत्सव



किसान दिवस

प्रदर्शनियों / कार्यक्रमों में भागीदारी



अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान फिल्म महोत्सव प्रदर्शनी



कृषि महोत्सव में भागीदारी

समझौता ज्ञापन / समझौते पर हस्ताक्षर



गोवा के एसएचजी बीज पूंजी लाभार्थियों के लिए पीएमएफएमईप्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम



भाकृअनुप- केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा ने छात्रों के प्रशिक्षण और गुणवत्ता स्नातकोत्तर अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएसएयू), हैदराबाद के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।



भाकृअनुप- केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा ने कृषि-इकोटूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए माइलस्टोन रिसॉर्ट्स, गोवा के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

पीएफएमई प्रशिक्षण - 2022			
प्रशिक्षण का नाम	दिनांक	लाभार्थियों की संख्या	ब्लॉक का नाम
फलों और सब्जियों की फसल प्रसंस्करण पर नए लाभार्थी प्रशिक्षण	06/06/2022	21	पोंडा, सत्तारी, पेरेनेम, बिचोलिम, बर्देज
बीज पूंजी एसएचजी प्रशिक्षण	16/12/2022	24	बार्देज
बीज पूंजी एसएचजी प्रशिक्षण	20/12/2022	21	बीचोलिम
बीज पूंजी एसएचजी प्रशिक्षण - बैच I	21/12/2022	22	बर्देज
बीज पूंजी एसएचजी प्रशिक्षण - बैच II	21/12/2022	21	बर्देज
बीज पूंजी एसएचजी प्रशिक्षण	27/12/2022	17	बीचोलिम



CIFOR-ICRAF के न्यासी बोर्ड ने ICAR-CCARI, गोवा के FLD परीक्षण का दौरा किया



एडीजी (आईपी एंड टीएम) ने आईसीएआर-सीसीएआरआई, गोवा का दौरा किया



एडाप्टनेट परियोजना के प्रतिनिधियों ने आईसीएआर-सीसीएआरआई का दौरा किया



श्री विजय कुमार, संसद सदस्य, गया, बिहार ने भाकृअनुप- केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीसीएआरआई), गोवा दौरा किया



उप महानिदेशक (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन) ने आईसीएआर-सीसीएआरआई, गोवा का दौरा किया

संस्थान में विशिष्ट अतिथिगण का आगमन विवरण

संस्थान में विशिष्ट अतिथिगण का आगमन विवरण

दिनांक	आगंतुक का नाम	पदनाम/संस्थान/स्थान
06-01-2022	डॉ. एस के मलहोत्रा	पूर्व कृषि एवं बागवानी आयुक्त, भारत सरकार
06-01-2022	डॉ. वेंकटेशहुब्बल्ली	निदेशक डीसीसीडी, कोचीन
01-04-2022	श्री अरुण कुमार मिश्रा, आईएएस	सचिव (पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवाएं, समाज कल्याण, विद्युत, पर्यावरण) गोवा सरकार
01-04-2022	डॉ. दिनेश कन्नन, आईएफएस,	वन संरक्षक (संरक्षण)
01-04-2022 11-05-2022 24-06-2022	डॉ. अगोस्टिन्होमिस्कटा	निदेशक, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा निदेशालय, गोवा सरकार
01-04-2022 11-05-2022	डॉ. शमिलामोंटेइरो	निदेशक, मत्स्य पालन निदेशालय, गोवा सरकार
22-04-2022	श्री विजय कुमार	संसद सदस्य, गया, बिहार
11-05-2022 05-12-2022	श्री श्रीपादयेसोनाइक	माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री (पर्यटन, शिपयार्ड और जलमार्ग) सरकार।
11-05-2022	श्री नीलेशकैब्राल	माननीय मंत्री, पर्यावरण, विधायी मामले, कानून एवं न्यायपालिका और लोक निर्माण विभाग, सरकार।
11-05-2022	श्री ए.के. मिश्रा, आईएएस	सचिव (कृषि, एएच एवं वीएस), गोवा सरकार
11-05-2022	श्री महेश पाटिल	सचिव (कृषि, एएच एवं वीएस), गोवा सरकार
11-05-2022 07-11-2022 05-12-2022	डॉ. सुरेश कुमार चौधरी	सचिव (कृषि, एएच एवं वीएस), गोवा सरकार

11-05-2022	श्री अमाई महालिंगानाइक	सचिव (कृषि, एएच एवं वीएस), गोवा सरकार
11-05-2022 26-05-2022	नेविलअल्फांसो	सचिव (कृषि, एएच एवं वीएस), गोवा सरकार
26-05-2022	श्री नरेंद्र सवाईकर	सचिव (कृषि, एएच एवं वीएस), गोवा सरकार
26-05-2022	डॉ. मिलिंद आरभिरुद	महाप्रबंधक, नाबार्ड, गोवा
01-08-2022	श्री राजीव कुमार गुप्ता, आईएफएस	प्रधान मुख्य वन संरक्षक, गोवा
07-11-2022	डॉ जावेदरिजवी	निदेशक, सीआईएफओआर-आईसीआरएफ, एशिया
07-11-2022	डॉ. चन्द्रशेखरबिरादर	देश निदेशक, सीआईएफओआर-आईसीआरएफ
07-11-2022	डॉ शिव कुमार ध्यानी	देश समन्वयक, सीआईएफओआर- आईसीआरएफ
07-11-2022	डॉ. ए. अरुणाचलम	निदेशक, आईसीएआर-केंद्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी

संस्थान की समितियाँ एवं बैठकों की सूची

अनुसंधान सलाहकार समिति

भाकृअनुप- केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान के लिए नौवि (खद)अनुसंधान सलाहकार समिति (आर.ए.सी.) का गठन 14/08/2020 से 13/08/2023 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए किया गया था। आर.ए.सी. की संरचना नीचे दी गई है।

क्र.सं.	नाम एवं पता	कार्य
1.	डॉ. तपस भट्टाचार्य पूर्व कुलपति, डॉ. बीएसकेकेवी, दापोली, बंगला नंबर 11, जयंती नगरी 2, बीईएसएनागपुर - 4440031, महाराष्ट्र	अध्यक्ष
2.	डॉ. एमए शंकर पूर्व अनुसंधान निदेशक, यूएस, बेंगलुरु, पहली मुख्य सड़क, एचजीएचलेआउट, गंगानगर, बेंगलुरु- 560032, कर्नाटक	सदस्य
3.	डॉ. वी. एल. देवपुरकर पूर्व अनुसंधान निदेशक, एमएएफएसयू, ओम बांग्ला, प्लॉट नंबर-88, संगम सोसाइटी, बिबवेवाडी, पुणे- 411037, महाराष्ट्र	सदस्य
4.	डॉ.डॉ. एम. आर. दिनेश पूर्व निदेशक, आईसीएआर-आईआईएचआर, बेंगलुरु	सदस्य
5.	डॉ. बबनइंगोले विजिटिंग वैज्ञानिक, ईएसएसओ-राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान केंद्र, वास्को, गोवा	सदस्य
6.	डॉ. अनुपममिश्रा कुलपति, सीएयू, इंफाल	सदस्य
7.	डॉ. अदलूल इस्लाम सहायक महानिदेशक (एसडब्ल्यूएम), एनआरएम, आईसीएआर, केएबी-II, पूसा, नई दिल्ली - 110012	सदस्य
8.	डॉ. परवीन कुमार, निदेशक, आईसीएआर-सीसीएआरआई, गोवा	सदस्य
9.	डॉ. आर. सोलोमन राजकुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईसीएआर-सीसीएआरआई, गोवा।	सदस्य सचिव



संस्थान प्रबंधन समिति

परिषद द्वारा 22/06/2020 से 21/06/2023 तक तीन वर्षों की अवधि के लिए संस्थान के वित्तीय और प्रशासनिक मार्गदर्शन के लिए संस्थान प्रबंधन समिति का गठन किया गया है। आईएमसी की संरचना इस प्रकार है:

नाम	पता	पदनाम
डॉ. प्रवीण कुमार	निदेशक, आईसीएआर-सीसीएआरआई, ओल्ड गोवा	अध्यक्ष
श्री. नेविलअल्फांसो	कृषि निदेशालय, गोवा सरकार कृषि भवन, कैरानजेलम, गोवा।	सदस्य
डॉ. बीएन सावंत,	अनुसंधान के एसोसिएट निदेशक, आरएफआरएस, वेगुर्ला	सदस्य
डॉ. पी सी हल्दवनेकर	एसोशियेटेडडीन,बागवानी महाविद्यालय, डॉ.बीएसकेकेवी, दापोली,	सदस्य
डॉ.जगदीशराणे	प्रभारी प्रमुख सूखा तनाव प्रबंधन स्कूल, आईसीएआर-एनआईएएसएम, मालेगांव, बारामती -	सदस्य
डॉ. जे. लोका	प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी, सीएमएफआरआई का कारवार अनुसंधान केंद्र, कारवार, कर्नाटक	सदस्य
डॉ. रवि भट्ट	कार्यवाहक प्रमुख, फसल उत्पादन प्रभाग, आईसीएआर-सीपीसीआरआई, कुडलूपी.ओ. कासरगोड	सदस्य
डॉ. के एनभिलेगांवकर	प्रभारी आईवीआरआई क्षेत्रीय स्टेशन, कृषि महाविद्यालय परिसर, शिवाजीनगर, पुणे	सदस्य
डॉ अदलूल इस्लाम	एडीजी (एस एंड डब्ल्यूएम), एनआरएमडिवीजनआईसीएआर, नई दिल्ली	सदस्य
श्री सौरभ मुनि	वरिष्ठ वित्त एवं लेखा अधिकारी, आईएआरआई, नई दिल्ली	सदस्य
श्रीमती मोंटिया रीटा डिसिल्वा	प्रशासनिक अधिकारी, आईसीएआर-सीसीएआरआई, ओल्ड गोवा	सदस्य सचिव



गोवा राज्य के संबंधित विभागों के साथ इंटरफ़ेस बैठक



कोकम और कटहल पर हितधारकों की बैठक

कर्मचारीगण

भाकृअनुप- केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा

क्रं.सं.	नाम	पदनाम	अतिरिक्त प्रभार
अनुसंधान प्रबंधन			
1.	डॉ. प्रवीण कुमार	निदेशक	
वैज्ञानिक कर्मचारी			
2.	डॉ. एस. के. सिंह (30-06-2022 तक)	प्रधान वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान)	
3.	डॉ. ए. रायजादा (11-05-2022 से)	प्रधान वैज्ञानिक (कृषि वानिकी)	प्रकृतिकप्रावेधन संभाग
4.	डॉ. वी. अरुणाचलम	प्रधान वैज्ञानिक (बागवानी)	बागवानीसंभाग
5.	डॉ. आर. रमेश	प्रधान वैज्ञानिक (पादप रोगविज्ञान)	फसल संभाग
6.	डॉ. ए. आर. देसाई	प्रधान वैज्ञानिक (बागवानी)	
7.	डॉ. मनोहरा के. के.	वरिष्ठ वैज्ञानिक (पादप प्रजनन)	आई.आर.सी.
8.	डॉ. मतला जूलियट गुप्ता	वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि संरचनाएं और प्रक्रिया इंजीनियरिंग)	टी.एस.पी.
9.	डॉ. शिरीष डी. नरनावरे (02-05-2022 से)	वरिष्ठ वैज्ञानिक (पशुचिकित्सा रोगविज्ञान)	पशु और मछली विज्ञान
10.	डॉ. आर. सोलोमन राजकुमार	वरिष्ठ वैज्ञानिक (पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी)	आर.ए.सी./आर.के.वी.वाय.
11.	डॉ. आर. मारुथादुराई	वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि कीट विज्ञान)	पुस्तकालय
12.	डॉ. गोकुलदास पी.पी	वरिष्ठ वैज्ञानिक (पशु प्रजनन)	कृषि पोर्टल
13.	डॉ. महाजन जी.आर	वरिष्ठ वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान)	एकेएमयू सेल,
14.	डॉ. श्रीपाद भट्ट	वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि अर्थशास्त्र)	पीएमई/आईपीआर/पीआईए मएस
15.	डॉ. सुसिता राजकुमार	वरिष्ठ वैज्ञानिक (पशुचिकित्सा रोगविज्ञान)	
16.	डॉ. श्रीकांत जी. बी.	वरिष्ठ वैज्ञानिक (मत्स्य संसाधन प्रबंधन)	
17.	डॉ. उथप्पा ए. आर.	वैज्ञानिक (कृषि वानिकी)	

18.	डॉ. चौधरी गणेश वासुदेव	वैज्ञानिक (वनस्पति विज्ञान)	
19.	श्री. त्रिवेश एस. मयेकर	वैज्ञानिक (मछली आनुवंशिकी एवं प्रजनन)	
20.	डॉ. मनीषा एस. आर. (30-08-2022 तक)	वैज्ञानिक (फल विज्ञान)	
21.	डॉ. परमेशा वी.	वैज्ञानिक (कृषि विज्ञान)	
22.	डॉ बप्पा दास	वैज्ञानिक (कृषि मौसम विज्ञान)	
23.	डॉ. सुजीत देसाई	वैज्ञानिक (भूमि एवं जल प्रबंधन इंजीनियरिंग)	एचआरडी
24.	डॉ. निबेदिता नायक	वैज्ञानिक (पोल्ट्री विज्ञान)	
25.	डॉ अमिय रंजन साहू	वैज्ञानिक (पशु आनुवंशिकी एवं प्रजनन)	
तकनीकी कर्मचारी			
1.	सुश्री मदीना सोल्लापुरी	सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (संपदा)	
2.	श्री विनोद उबरहांडे	सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी	(प्रषेत्र अधीक्षक) अध्ययन अवकाश पर
3.	श्री राहुल कुलकर्णी	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (कृषि विज्ञान)	
4.	श्री सिद्धार्थ के. मराठे	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (पीएमई सेल)	
5.	सुश्री प्रांजलि वाडेकर	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (एकेएमयू)	
6.	श्री एडवर्ड क्रैस्टो (31-05-2022 तक)	तकनीकी अधिकारी (स्टॉकमैन)	
7.	श्री योगानंद गावडे	तकनीकी अधिकारी (विद्युत)	
8.	श्री सुरेश एम. गोम्स	तकनीकी अधिकारी (ट्रैक्टर चालक)	
9.	श्री ओमर इलरॉय फ्रांसिस्को	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	
10.	श्री प्रकाश परवार	वरिष्ठ तकनीशियन	
11.	श्री गोकुलदास गावस	वरिष्ठ तकनीशियन	
12.	श्री दत्ता वेलिप	वरिष्ठ तकनीशियन	
13.	श्री पायक जे. पाडकर	वरिष्ठ तकनीशियन	
14.	श्री लक्ष्मण नाइक	वरिष्ठ तकनीशियन	

प्रशासनिक एवं लेखा कर्मचारी			
1.	सुश्री मोंटिया रीटा डिसिल्वा	प्रशासनिक अधिकारी	
2.	सुश्री अनुपमा एन. के. (09-12-2022 से)	वित्त एवं लेखा अधिकारी	
3.	सुश्री लिजेट मारिया कार्मेल नोरोन्हा	निजी सचिव	
4.	सुश्री स्नेहा अर्लेकर	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	Works
5.	सुश्री प्रतिभा सावंत	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	Accounts
6.	सुश्री सोहिनी सावंत	सहायक	Estt./ Bills
7.	सुश्री तारिका उसापकर	निजी सचिव	
8.	श्री विनोद पागी	सहायक	
9.	सुश्री बुशरा अंसारी	आशुलिपिक ग्रेड.III	
10.	सुश्री चित्रा काणकोणकर	उच्च श्रेणी लिपिक	
13.	श्री व्यास हिरेन कुमार	उच्च श्रेणी लिपिक	
14.	सुश्री सुजाता एस कांबले	अवर श्रेणी लिपिक	
15.	सुश्री स्वाति खांडेपारकर	अवर श्रेणी लिपिक	
16.	सुश्री कुशमाला चालवादी	अवर श्रेणी लिपिक	
17.	सुश्री सरिता शेलको	अवर श्रेणी लिपिक	
कुशल सहायक कर्मचारी			
1.	श्री सुभाष मेलेकर		
2.	श्री धाकु काणकोणकर		
3.	श्री अशोक गाडेकर		
4.	श्री चिम्नु तिवरेकर (31-05-2022 तक)		
5.	श्री अनिल खांडेपारकर		
6.	सुश्री मारिया एस. डायस		
7.	श्री गिरी मडकईकर		
8.	श्री उमेश मार्सेलकर		
9.	सुश्री प्रफुला खांडेपारकर		
10.	सुश्री रेखा यूनाईक		
11.	सुश्री ललिता नाईक		
12.	सुश्री प्रतिभा फोल्कर		
13.	श्री रवि एस. कदम		
14.	श्री विलास पी. गांवकर		
15.	श्री प्रभाकर गावकर		

16.	श्री सीताराम कुनकोलिकर		
17.	सुश्री जनिका एस. शिरोडकर		
18.	श्री शानू जी. वेलिप		
19.	श्री नितिन जे. नाईक		
20.	श्री प्रल्हाद जांबावलीकर		

कृषि विज्ञान केंद्र उत्तर – गोवा

क्र सं	नाम	पदनाम	अतिरिक्त प्रभार
तकनीकी कर्मचारी			
1.	श्री एच.आर.सी. प्रभु	विषय वस्तु विशेषज्ञ टी-9 (प्लांट का संरक्षण)	कार्यक्रम समन्वयक
2.	सुश्री सुनेत्रा तलावलीकर	विषय वस्तु विशेषज्ञ टी-9 (गृह विज्ञान)	
3.	डॉ. संजय कुमार उधरवर	विषय वस्तु विशेषज्ञ टी-6 (पशु विज्ञान)	अध्ययन अवकाश
4.	डॉ. मोनिका सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ टी-6 (कृषि विस्तार)	
5.	श्री शशि विश्वकर्मा	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी(मृदा विज्ञान)	मृदा विज्ञान प्रयोगशाला (एन.आर.एम)
6.	श्री विश्वजीत प्रजापति	तकनीकी अधिकारी	
7.	श्री दिलकुश वेलीप	तकनीकी सहायक (चालक)	
प्रशासनिक कर्मचारी - वर्ग			
1.	श्री विश्वास शर्मा	सहायक	
2.	सुश्री श्रेया सी. बर्वे	स्टेनोग्राफर ग्रेड III	

कर्मचारियों की गतिविधियाँ

विदेशी प्रतिनियुक्ति:

1. डॉ. महाजन गोपाल रामदास, वरिष्ठ वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान) को 31-03-2022 से नौ महीने की अवधि के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया रिवरसाइड यूनाइटेड स्टेट्स में फुलब्राइटनेहरूफेलोशिप 2021-22 का लाभ उठाने की अनुमति दी गई है।
2. डॉ. आर. सोलोमन राजकुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक (पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी) को इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर फूड प्रोटेक्शन (आईएफपी) अंतर्राष्ट्रीय छात्र पुरस्कार 2022 प्राप्त करने के लिए, उनके पीएचडी कार्यक्रम (सेवा में) 2018-2021 के दौरान सम्मानित किया गया और विभिन्न में भाग लेने के लिए 31-07-2022 से 03-08-2022 के दौरान पेनोसिल्वेनिया, यूएसए में IAFP 2022 का सत्र

पोस्टडॉक्टरल अधिछात्रवृत्ति:

1. डॉ. श्रीकांतजी.बी., वरिष्ठ वैज्ञानिक (मत्स्य संसाधन प्रबंधन) को केरल मत्स्य पालन और महासागर अध्ययन विश्वविद्यालय (केयूएफओएस), कोच्चि में जलीय पर्यावरण प्रबंधन (ईईएम) में पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप 2022-23 के लिए अध्ययन अवकाश के लिए प्रतिनियुक्त किया गया है। एक वर्ष की अवधि के लिए. 15-10-2022.

अध्ययन अवकाश:

1. श्री विनोद ए. उबरहांडे, फार्म अधीक्षक/एसीटीओ को पीएचडी करने के लिए शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 के लिए अध्ययन अवकाश प्रदान किया गया है। कृषि महाविद्यालय, हैदराबाद में, दिनांक 01.07.2019 से 15-01-2022.

नियुक्तियाँ / जॉइनिंग

नाम	पद	पदभारकी तिथि
श्रीमति अनुपमाएन के	वित्त एवं लेखा अधिकारी	09-12-2022

पदोन्नति

अधिकारियों का नाम/पदनाम	वेतन बैंड/स्तर में पदोन्नत/उच्च ग्रेड वेतन प्रदान किया गया	पदोन्नति की तिथि
सुश्री श्रेया सी. बर्वे, स्टेनो ग्रेड-III	निजी सहायक	01-01-2022
डॉ. आर. सोलोमन राजकुमार, वैज्ञानिक (एलपीटी)	लेवल12 में रखा गया (पूर्व-संशोधित वेतन रु. 15600-39100 + आरजीपी रु. 8000/-) और 30-06-2021 से यानी पीएचडी प्राप्त करने की तिथि से वरिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में पुनः नामित किया गया।	09-11-2019
डॉ. मरुथादुराई आर. वैज्ञानिक (कीटविज्ञान)	लेवल12 में रखा गया (पूर्व-संशोधित वेतन रु. 15600-39100+आरजीपी रु. 8000/-) और वरिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में पुनः नामित किया गया	27-04-2020
डॉ. गोकुलदास पी.पी. वैज्ञानिक (पशु प्रजनन)	लेवल12 में रखा गया (पूर्व-संशोधित वेतन रु. 15600-39100 + आरजीपी रु. 8000/-) और वरिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में पुनः नामित किया गया	25-06-2020
श्री त्रिवेश एस. मयेकर वैज्ञानिक (मछली आनुवंशिकी एवं प्रजनन)	लेवल11 में रखा गया (पूर्व-संशोधित वेतन रु. 15600-39100+ आरजीपी रु. 7000/-)	01-01-2019
डॉ. परमेशा वी. वैज्ञानिक (कृषि विज्ञान)	लेवल11 में रखा गया (पूर्व-संशोधित वेतन रु. 15600-39100+ आरजीपी रु. 7000/-)	01-07-2019
डॉ बप्पा दास वैज्ञानिक (कृषि मौसम विज्ञान)	लेवल11 में रखा गया (पूर्व-संशोधित वेतन रु. 15600-39100+ आरजीपी रु. 7000/-)	01-07-2019
डॉ. मनीषा एस. आर. वैज्ञानिक (फल विज्ञान)	लेवल11 में रखा गया (पूर्व-संशोधित वेतन रु. 15600-39100+ आरजीपी रु. 7000/-)	18-10-2019
डॉ. सुजीत देसाई वैज्ञानिक (एल एंड डब्ल्यूएमई)	लेवल11 में रखा गया (पूर्व-संशोधित वेतन रु. 15600-39100+ आरजीपी रु. 7000/-)	01-01-2020

डॉ. मनोहर के.के. वरिष्ठ वैज्ञानिक (पादप प्रजनन)	लेवल13 (ए) में रखा गया (पूर्व- संशोधित वेतन रु. 374000- 67000+ आरजीपी रु. 9000/-)	21-04-2021
डॉ. महाजन गोपाल रामदास वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान)	लेवल12 (पूर्व-संशोधित) में रखा गया वेतन रु. 15600-39100 +आरपीजी रु. 8000/-) और वरिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में पुनः पदनामित	02-07-2021
श्री शशि विश्वकर्मा, तकनीकी अधिकारी	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	20-12-2020
श्री विश्वास शर्मा, सहायक	वेतन स्तर 7 में प्रथम एमएसीपी (सेवा जारी रखने के 10 वर्ष पूरे करना)	21-05-2022
श्री सुरेश गोम्स, ट्रैक्टर चालक (टी-4)	वेतन स्तर 7 में श्रेणी-2 में टी-5 (तकनीकी अधिकारी-ट्रैक्टर चालक) में अगले उच्च स्तर पर पदोन्नत किया गया	24-01-2022
श्री दिलकुश वेलिप, चालक टी-2 (केवीके)	वेतन स्तर 5 में कैट-2 में टी-3 (तकनीकी सहायक-चालक) में अगले उच्च वेतन स्तर पर पदोन्नत किया गया	26-03-2022
डॉ. श्रीपाद भट्ट, वैज्ञानिक (कृषि अर्थशास्त्र)	लेवल12 (पूर्व-संशोधित) में रखा गया वेतन रु. 15600-39100 +आरपीजी रु. 8000/-) और वरिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में पुनः पदनामित	15-09-2021
डॉ. सुसिता राजकुमार, वैज्ञानिक (पशुचिकित्सा रोगविज्ञान)	लेवल12 (पूर्व-संशोधित) में रखा गया वेतन रु. 15600-39100 +आरपीजी रु. 8000/-) और वरिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में पुनः पदनामित	02-02-2022
डॉ. श्रीकांतजी. बी. वैज्ञानिक (एफआरएम)	लेवल12 (पूर्व-संशोधित) में रखा गया वेतन रु. 15600-39100 +आरपीजी रु. 8000/-) और वरिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में पुनः पदनामित	30-05-2022

आईसीएआर-सीसीएआरआई से स्थानांतरित

नाम	पद धारण	में अंतरण	स्थानांतरण की तिथि
डॉ. मनीषा एस. आर.	वैज्ञानिक (फल विज्ञान)	आईसीएआर- भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान, कोझिकोड, केरल	30-08-2022

आईसीएआर-सीसीएआरआई में नियुक्ति

नाम	पद जिसमें शामिल हुए	से अंतरण	स्थानांतरण की तिथि
डॉ. ए. रायज़ादा	प्रधान वैज्ञानिक (कृषिवानिकी)	आईसीएआर- एमजीआईएफआरआई, मोतिहारी	11-05-2022
डॉ. शिरीष डी. नारनावरे	वरिष्ठ वैज्ञानिक (पशु चिकित्सा रोगविज्ञान)	आईसीएआर-ऊंट पर एनआरसी, बीकानेर, राजस्थान	02-05-2022

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

पेंशन

नाम	पद धारित	सेवानिवृत्ति की तिथि
श्री एडवर्ड क्रैस्टा	तकनीकी अधिकारी	31-05-2022
श्री चिमनो दत्तू तिवरेकर	कुशल सहायक कर्मचारी	31-05-2022
डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह	प्रधान वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान)	30-06-2022

वार्षिक लेखा 2022-23

संस्थान सरकार का विवरण। वर्ष 2022-23 हेतु अनुदान व्यय

(Rs in Actuals)

क्रं सं.	मुख्य	आवंटन शासकीय अनुदान 2022-23	आवंटन आंतरिक संसाधन + परिषद के हिस्से में से मुख्यालय द्वारा प्रदान की गई अतिरिक्त राशि (2022-23)	कुल आवंटन 2022-23	व्यय (शासकीय अनुदान) 2022-23				व्यय (राज स्व सृजन) 2022-23	कुल व्यय 2022-23
					एन ईए च	टी एस पी	एस सीए सपी	अन्य		
1	2	3	4	5 (3 + 4)	6				7	8 (6 + 7)
					एन ईए च	टी एस पी	एस सीए सपी	अन्य		

1	कार्य									
	A. भूमि	0.00	0.00	0.00	0.0	0.0	0.00	0.00	0.00	0.00
	B. भवन									
	i. कार्यालय भवन	92712 94.00	0.00	92712 94.00	0.0 0	0.0 0	0.00	927129 4.00	0.00	92712 94.00
	ii. आवासीय भवन	0.00	0.00	0.00	0.0 0	0.0 0	0.00		0.00	
	iii. लघु कार्य	49996 5.00	0.00	49996 5.00	0.0 0	0.0 0	0.00	499965. 00	0.00	49996 5.00
2	उपकरण	27414 64.00	0.00	27414 64.00	0.0 0	17 69 00 0.0 0	1000 000. 00	274146 4.00	0.00	55104 64.00
3	सूचान प्रौद्योगिकी	16656 50.00	0.00	16656 50.00	0.0 0	0.0 0	0.00	166565 0.00	0.00	16656 50.00
4	पुस्तकालय पुस्तके और पत्रिकाएँ	85956 .00	0.00	85956 .00	0.0 0	0.0 0	0.00	85956.0 0	0.00	85956. 00
5	वाहन और जहाज	19183 71.00	0.00	19183 71.00	0.0 0	0.0 0	0.00	191837 1.00	0.00	19183 71.00
6	पशुधन	19500 0.00	0.00	19500 0.00	0.0 0	0.0 0	0.00	195000. 00	0.00	19500 0.00
7	फर्नीचर और जुड़नार	55830 0.00	0.00	55830 0.00	0.0 0	0.0 0	0.00	558300. 00	0.00	55830 0.00
8	अन्य	0.00	0.00	0.00	0.0 0	0.0 0	0.00	0.00	0.00	0.00
	कुल पंजी (पंजी आस्तियों के सृजन के लिए अनुदान)	16936 000.0 0	0.00	16936 000.0 0	0.0 0	17 69 00 0.0 0	1000 000. 00	169360 00.00	0.00	19705 000.00

1	स्थापना व्यय (वेतन)									
	i. स्थापना शुक्ल	10427 5000	0.00	10427 5000. 00	0.0 0	0.0 0	0.00	103197 482.00	0.00	10319 7482.0 0
	ii. मजदूरी	0.00	0.00	0.00	0.0 0	0.0 0	0.00	0.00	0.00	0.00
	iii. ओवरटाइम भत्ता	0.00	0.00	0.00	0.0 0	0.0 0	0.00	0.00	0.00	0.00
	कुल- स्थापना व्यय (सहायता- वेतनों में अनुवाद)	10427 5000. 00	0.00	10427 5000. 00	0.0 0	0.0 0	0.00	103197 482.00	0.00	10319 7482.0 0
1	पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ	16600 000.0 0	0.00	16600 000.0 0	0.0 0	0.0 0	0.00	163424 31.00	0.00	16342 431.00
2	भत्ता									
	घरेलू टीए/ अंतरण टीए	98855 9.00	0.00	98855 9.00	0.0 0	0.0 0	0.00	988559. 00	0.00	98855 9.00
	विदेशी टीए	0.00	0.00	0.00	0.0 0	0.0 0	0.00	0.00	0.00	0.00
	कुल यात्रा भत्ता	98855 9.00	0.00	98855 9.00	0.0 0	0.0 0	0.00	988559. 00	0.00	98855 9.00
3	अनुसंधान और परिचालन खर्च									
	शोध व्यय	95310 68.00	0.00	95310 68.00	0.0 0	0.0 0	0.00	953106 8.00	0.00	95310 68.00

	परिचालन व्यय	20159 952.0 0	0.00	20159 952.0 0	0.0 0	60 00 00 0.0 0	0.00	201599 52.00	0.00	26159 952.00
	कुल अनुसंधान और परिचालन खर्च	29691 020.0 0	0.00	29691 020.0 0	0.0 0	60 00 00 0.0 0	0.00	296910 20.00	0.00	35691 020.00
4	प्रशासनिक खर्च									
	इंफ्रास्ट्रक्चर	86715 27.00	0.00	86715 27.00	0.0 0	0.0 0	0.00	867152 7.00	0.00	86715 27.00
	संचार	10729 4.00	0.00	10729 4.00	0.0 0	0.0 0	0.00	107294. 00	0.00	10729 4.00
	मरम्मत और रखरखाव			0.00	0.0 0	0.0 0	0.00	0.00		0.00
	i. उपकरण, वाहन और अन्य	20077 21.00	0.00	20077 21.00	0.0 0	0.0 0	0.00	200772 1.00	0.00	20077 21.00
	ii. ऑफिस बिल्डिंग	0.00	0.00	0.00	0.0 0	0.0 0	0.00	0.00	0.00	0.00
	iii. आवासीय भवन	0.00	0.00	0.00	0.0 0	0.0 0	0.00	0.00	0.00	0.00
	iv लघु कार्य	22753 94.00	0.00	22753 94.00	0.0 0	0.0 0	0.00	227539 4.00	0.00	22753 94.00
	अन्य (टीए को छोड़कर)	49779 95.00	0.00	49779 95.00	0.0 0	0.0 0	0.00	497799 5.00	0.00	49779 95.00
	कुल प्रशासनिक व्यय	18039 931.0 0	0.00	18039 931.0 0	0.0 0	0.0 0	0.00	180399 31.00	0.00	18039 931.00
5	विविध व्यय									

	A. एचआरडी	97731 .00	0.00	97731 .00	0.0 0	0.0 0	0.00	97731.0 0	0.00	97731. 00
	B. अन्य वस्तुएं (फैलोशिप, छा त्रवृत्ति आदि)	0.00	0.00	0.00	0.0 0	0.0 0	0.00	0.00	0.00	0.00
	C. प्रचार और प्रदर्शनियां	0.00	0.00	0.00	0.0 0	0.0 0	0.00	0.00	0.00	0.00
	D. अतिथि गृह – रखरखाव	16557 59.00	0.00	16557 59.00	0.0 0	0.0 0	0.00	165575 9.00	0.00	16557 59.00
	E. अन्य विविध	0.00	0.00	0.00	0.0 0	0.0 0	0.00	0.00	0.00	0.00
	कुल - विविध व्यय	17534 90.00	0.00	17534 90.00	0.0 0	0.0 0	0.00	175349 0.00	0.00	17534 90.00
	कुल -- सहायता अनुदान - सामान्य	67073 000.0 0	0.00	67073 000.0 0	0.0 0	60 00 00 0	0.00	668154 31.00	0.00	72815 431.00
	कुल योग (पूँजी+स्थाप ना+सामान्य)	18828 4000. 00	0.00	18828 4000. 00	0.0 0	77 69 00 0.0 0	1000 000. 00	186948 913.00	0.00	19571 7913.0 0
6	ऋण और अग्रिम	0.00	0.00	0.00		0.0 0	0.00	0.00	0.00	0.00



एसटीसी कार्यक्रम के अंतर्गत विश्व अंडा दिवस 14.01.2022 को मनाया गया



एसटीसी कार्यक्रम के तहत स्वदेशी पोल्ट्री पक्षियों और अंडों का वितरण



, एसटीसी कार्यक्रम के तहत दिवार द्वीप गोवा में मछुआरों को पारंपरिक मछली पकड़ने के गियर का वितरण



आईसीएआर-सीसीएआरआई, गोवा में कृषि-इकोटूरिज्म इकाई तक पहुंच मार्ग का दृश्य



आईसीएआर-सीसीएआरआई, गोवा में नमक सहनशील चावल की किस्मों के स्क्रीनिंग परीक्षणों का दृश्य